सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HRHIN/25/A3341

वर्ष : 01 | अंक : 01 | साप्ताहिक 1जनवरी से 7 जनवरी 2026 हिसार मूल्य : 5 | पृष्ठ : 8

ख़बरें व विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
मोबाइल - 9416926329
वैकल्पिक नंबर- 9306813001

अरावली खनन मामले में 'सुप्रीम' रोक

नई कमेटी का गठन, 4 राज्यों को नोटिस और केंद्र से सवाल

राजधानी चौपाल

नई दिल्ली : सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने कहा है कि 'अरावली पहाड़ियों की परिभाषा से जुड़े 20 नवंबर के आदेश को फ़िलहाल स्थगित रखा जाए, क्योंकि इसमें कई ऐसे मुद्दे हैं जिनकी और जाँच की ज़रूरत है' पीठ ने अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर पहले बनी सभी समितियों की सिफ़ारिशों का आकलन करने के लिए एक नई उच्चस्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव भी दिया है। अदालत ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से भी कहा है कि वे प्रस्तावित समिति की संरचना समेत इस मामले में अदालत की सहायता करें। अब इस मामले की अगली सुनवाई 21 जनवरी को होगी। कोर्ट ने केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर जवाब मांगा है। अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा को लेकर विवाद होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने खुद से संज्ञान लेते हुए सोमवार को इस मामले पर सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'हम निर्देश देते हैं कि समिति की सिफ़ारिशें और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के निष्कर्ष फ़िलहाल स्थगित रहेंगे। इस मामले की सुनवाई 21 जनवरी, 2026 को होगी।' सुप्रीम कोर्ट के अरावली पहाड़ियों की परिभाषा बदलने के बाद लगभग पूरे उत्तर भारत में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत

से कहा कि इस मामले में अदालत के आदेशों, सरकार की भूमिका और पूरी प्रक्रिया को लेकर कई तरह की गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। इन्हीं भ्रमों को दूर करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसे अदालत ने स्वीकार भी किया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत की भी यही भावना है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और उसके आधार पर अदालत द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर गलत अर्थ निकाले जा रहे हैं। सीजेआई ने संकेत दिया कि इन गलत धारणाओं को दूर करने के लिए स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है, ताकि अदालत की मंशा और निष्कर्षों को लेकर कोई भ्रम न रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट या अदालत के फैसले को लागू करने से पहले एक निष्पक्ष और स्वतंत्र मूल्यांकन जरूरी है, ताकि कई अहम सवालों पर स्पष्ट दिशा मिल सके।

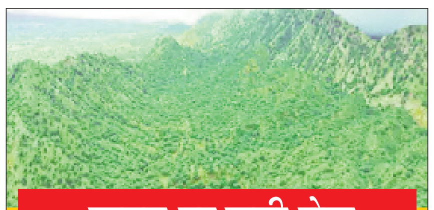

खनन पर लगी रोक

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सोशल मीडिया पर मुहिम छिड़ गई। कई पर्यावरण विशेषज्ञों ने इसपर आपत्ति जताई, जिसके बाद केंद्र सरकार ने भी अरावली में खनन पर पूरी तरह से रोक लगा दी। वहीं, अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले पर रोक लगाते हुए फिर से जांच के आदेश दिए हैं।

अरावली पर्वतमाला भारत की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक है, जो देश की भौगोलिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार है। यह पर्वतमाला गुजरात से लेकर राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक फैली हुई है और उत्तर-पश्चिम भारत के पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। अरावली न केवल थार मरुस्थल के विस्तार को रोकने वाली प्राकृतिक दीवार है, बल्कि यह जल संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और जलवायु संतुलन में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। अपनी ऐतिहासिक विरासत और प्राकृतिक संपदा के कारण अरावली पर्वतमाला भारत की अमूल्य धरोहर मानी जाती है।

हरियाणा में भूमि बंटवारे के लंबित मामलों पर सख्ती : लक्ष्य पूरे नहीं किए तो होगी कार्रवाई

राजधानी चौपाल

चंडीगढ़ : वित्तीय आयुक्त, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग (एफसीआर) डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज राज्य भर में बंटवारे की कार्यवाही के निपटारे में तेजी लाने के उद्देश्य से व्यापक निर्देश जारी किए। यह पहल राजस्व न्यायालयों में देरी के कारण लंबे समय से कठिनाई का सामना कर रहे हजारों नागरिकों को राहत प्रदान करने का प्रयास है। डॉ. मिश्रा ने इस बात पर जोर दिया कि भूमि बंटवारे की कार्यवाही राजस्व अधिकारियों को सौंपी गई सबसे महत्वपूर्ण वैधानिक जिम्मेदारियों में से एक है। गहन जांच के बाद, एफसीआर ने बंटवारे के मामलों के समयबद्ध निपटारे को सुनिश्चित करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ तत्काल अनुपालन के लिए निर्देशों और दिशा-निर्देशों की एक श्रृंखला जारी की है।

नए निर्देशों के तहत, प्रत्येक सहायक कलेक्टर (द्वितीय श्रेणी) को प्रति माह न्यूनतम 12 बंटवारे के मामलों का निपटारा करना अनिवार्य किया गया है। इन लक्ष्यों के सख्त पालन को सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत तीन-स्तरीय निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है। उपायुक्त, मंडलायुक्त और वित्तीय आयुक्त राजस्व के स्तर पर मासिक आधार पर अनुपालन की समीक्षा की जाएगी। सभी जिलों को सख्त निगरानी सुनिश्चित करने और बिना किसी चूक के मासिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। असमान कार्यभार वितरण के मुद्दे को संबोधित करते हुए, डॉ. मिश्रा ने कहा कि कुछ तहसीलदार वर्तमान में तुलनात्मक रूप से कम कार्यभार वाली शाखाओं में तैनात हैं। संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने के लिए, सभी उपायुक्तों को ऐसे तहसीलदारों को लंबित बंटवारे के मामले हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया है। इन अधिकारियों के लिए प्रति माह 20 मामलों का न्यूनतम लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि जिला कलेक्टरों को अपने प्रशासनिक नियंत्रण के तहत सभी राजस्व न्यायालयों में बंटवारे के मामलों का समान वितरण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि ये सेवानिवृत्त अधिकारी गांव स्तर पर एडीआर शिविर आयोजित करेंगे, जिसमें विवादित पक्षों को सहमति के माध्यम से परस्पर सहमत समझौतों पर पहुंचने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। समझौते तक पहुंचने के बाद, पक्ष औपचारिक कानूनी कार्यान्वयन के लिए संबंधित राजस्व अधिकारी से संपर्क करेंगे। इस तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए, प्रति सफलतापूर्वक हल किए गए मामले पर 10,000 रुपये के मानदेय को मंजूरी दी गई है, जिसे विवादित पक्षों द्वारा समान रूप से साझा किया जाएगा। प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एडीआर तंत्र के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि कुशल कार्यप्रणाली को प्रेरित करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक प्रदर्शन समीक्षा तंत्र स्थापित किया गया है। बंटवारे के मामलों को संभालने वाले अधिकारियों के प्रदर्शन की तिमाही आधार पर समीक्षा की जाएगी। प्रोत्साहन के रूप में, शीर्ष पांच प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों (राजस्व भूमिकाओं में पहले से मौजूद अधिकारियों को छोड़कर) को प्रशासनिक व्यवहार्यता के अधीन, उनकी पसंद की तहसीलों में तैनात किया जा सकता है। इसके विपरीत, जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, तहसीलों में तैनात निचले पांच अधिकारी जो लगातार निपटान लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहते हैं, उन्हें गैर-राजस्व असाइनमेंट में स्थानांतरित किया जा सकता है।

स्वच्छता अभियान को मिलेगी नई ऊर्जा - स्कूलों के छात्र बनेंगे 'दा स्वच्छता हीरो' : शालिनी चेतल

राजधानी चौपाल

हिसार : नगर निगम द्वारा स्वच्छता को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है, जिसके तहत अब स्कूलों के छात्र भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस संबंध में नगर निगम कार्यालय में अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल की अध्यक्षता में स्कूल संचालकों, प्रिंसिपलों और उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल ने बताया कि निगमायुक्त नीरज के निर्देशानुसार स्वच्छता से जुड़े सभी कार्यों की अधिकारी स्तर पर कड़ी निगरानी की जा रही है। साथ ही नागरिकों, विशेष रूप से विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अतिरिक्त आयुक्त ने बताया कि 1 जनवरी से 15 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश के दौरान स्कूलों के छात्र अपने आसपास के क्षेत्रों में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। इस अवधि में छात्र ''दा स्वच्छता हीरो'' के रूप में कार्य करेंगे और अपनी स्वच्छता संबंधी गतिविधियों पर आधारित एक प्रोजेक्ट भी तैयार करेंगे। नगर निगम द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्रों को सम्मानित किया जाएगा।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ

नया वर्ष तभी सार्थक होगा
जब हर बेटी सुरक्षित, शिक्षित और आत्मनिर्भर होगी।
बेटी बोझ नहीं, भविष्य है।
उसकी शिक्षा और सम्मान में ही समाज की असली तरक़्क़ी छिपी है। आइए, इस नए साल में बेटियों के साथ खड़े हों।

— संपादक, राजधानी चौपाल

नए साल के 5 संकल्प - बेटी के नाम

-बेटी और बेटे में कोई भेद नहीं करेंगे।
-हर बेटी की शिक्षा का पूरा साथ देंगे।
-बाल विवाह का विरोध करेंगे।
-बेटियों की सुरक्षा पर चुप नहीं रहेंगे।
-बेटी की सफलता को गर्व से अपनाएंगे।

नशा मुक्त भारत

नया साल नई उम्मीद लेकर आता है लेकिन नशा उस उम्मीद का सबसे बड़ा दुश्मन है।
युवा अगर नशे में खो गया,
तो देश का भविष्य अंधेरे में चला जाएगा।
इस नए वर्ष, नशे को नहीं–ज़िंदगी को चुनें।

नए साल के 5 संकल्प

1. नशे से खुद को और परिवार को दूर रखेंगे।
2. युवाओं को नशे के खिलाफ़ जागरूक करेंगे।
3. नशा बेचने वालों का विरोध करेंगे।
4. ज़रूरतमंदों को इलाज व परामर्श से जोड़ेंगे।
5. स्वस्थ जीवनशैली को अपनाएंगे।

pdf -2_pdf page.qxd 01-Jan-26 3:03 PM Page 2

सम्पादकीय..........

बच्चे क्यों नहीं? 'परफेक्ट पेरेंट' सिंड्रोम की असली कहानी

अंडे फ्रीज कराओ! समाज के प्रति अपना कर्तव्य निभाओ! इस भयानक दुनिया में बच्चे मत लाओ! हर कोई और उनके सोशल मीडिया चाचा महिलाओं की प्रजनन क्षमता पर राय देने को तैयार बैठे हैं। 'श्द्धश्श के श्रीधर वेम्बु ने हाल ही में महिलाओं को बीस के दशक में बच्चे पैदा करने की सलाह दी। महिलाओं को प्रजनन का ज्ञान देना कोई नई बात नहीं है।

'हम दो, हमारे दो' से 'हमारा कोई नहीं' तक का सफर– *जिस पीढ़ी ने 'हम दो, हमारे दो' के नारे के साथ परवरिश पाई, उनके लिए यह भ्रम की स्थिति है कि अब जनसांख्यिकी लाभांश जनसांख्यिकी गिरावट में बदल रहा है। तब जनसंख्या एक 'समस्या' थी और निरोध समाधान। 90 के दशक में जनरेशन X के सामने 'लव मैरिज' या 'अरेंज्ड मैरिज' के विकल्प थे। 'मैं शादी नहीं करूंगा' कोई विकल्प ही नहीं था। शादी के बाद दो से पांच साल में 'खुशखबरी' की घोषणा होती थी। हममें से कई 'हमारे दो' से 'हमारा एक' पर आ गए–लड़का या लड़की, कोई भी चलेगा। तो अगली पीढ़ी के लिए तार्किक संख्या केवल शून्य ही रह गई। अब जब आप स्वाइप करके जीवन बिता सकते हैं, तो शादी क्यों करें? और जो लोग अपनी करण जौहर-प्रेरित शादी के प्रोडक्शन के सितारे बनने का लालच नहीं छोड़ सकते, उनके यहां भी बच्चे नहीं हो रहे–अभी नहीं, और शायद कभी नहीं।*

असली समस्या : 'परफेक्ट पेरेंट' सिंड्रोम– *ऐसा क्यों हो रहा है, इस पर कई सिद्धांत हैं। 'लड़कियां करियर पर फोकस करना चाहती हैं' से लेकर 'युवा जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते' तक। लेकिन जो साहसी लोग बच्चे पैदा करते हैं, उन्हें देखने के बाद मैं एक अलग निष्कर्ष पर पहुंची हूं। समस्या वह है जिसे मैं 'परफेक्ट पेरेंट' सिंड्रोम कहती हूं। जीवन में उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले आज के युवा जोड़े केवल ऑफिस में ही नहीं, बल्कि पेरेंटिंग के स्कोरकार्ड में भी सर्वोच्च रेटिंग हासिल करने का प्रयास करते हैं। मैंने ऐसे माता-पिता देखे हैं जो आगंतुकों से कहते हैं 'दरवाजे की घंटी मत बजाना' क्योंकि यह बच्चे को परेशान करेगा। माता-पिता जो सुनिश्चित करते हैं कि उनका बच्चा कभी भी एक मिनट के लिए भी अकेला न रहे। और जो लगातार चम्मच लेकर उनके पीछे भागते हैं, 'बस एक और निवाला'। स्वाभाविक रूप से, इंस्टाग्राम पर प्यारी तस्वीरों के बावजूद, पेरेंटिंग का कार्य अंतहीन रूप से थका देने वाला है।*

गांव गायब हो गया, संयुक्त परिवार खो गया

हमारी दादी-नानी, जिन्हें क्रिकेट टीम के आकार का परिवार पालना पड़ता था, उन्हें ऐसी कोई चिंता नहीं थी। चाचा और बुआओं, दीदी और भैयाओं की एक पूरी फौज सह-अभिभावक के रूप में मौजूद थी, जिसका अर्थ अनिवार्य रूप से था : बच्चे को खिलाओ और कपड़े पहनाओ। साथ ही, यह सुनिश्चित करो कि वे गलती से चमकदार धातु की वस्तुओं को निगलकर खुद को मार न डालें। अब दबाव पूरी तरह से माता-पिता पर है, विशेष रूप से मां पर। अगर वह काम कर रही है, तो इसका मतलब है ऑफिस की राजनीति के साथ-साथ घर पर एसएमई आकार के स्टाफ को संभालना–नौकरानी, बैकअप नौकरानी, रसोइया, आया, ड्राइवर, धोबी, आदि आदि। और इतनी मदद के बावजूद, और केवल एक बच्चे के साथ, वह अपनी मां से दस गुना अधिक तनाव में है, जो दिन में तीन बार खुद खाना बनाती थी। हम में से कितनों के 'परिवार जैसे पड़ोसी' हैं जिन पर हम भरोसा करते हैं कि जरूरत पड़ने पर हमारा बच्चा एक-दो घंटे उनके साथ बिता सकता है? शायद ऐसे लोग मौजूद हैं लेकिन हमारे पास उन्हें जानने का समय ही नहीं था।

झूठी 'अफोर्डेबिलिटी' की चिंता– *और फिर IIM-शिक्षित जोड़े हैं जो–पूरी गंभीरता से–कहते हैं, 'हम बच्चे का खर्च नहीं उठा सकते।' उनका वास्तव में मतलब है : हम शायद अपने बच्चे को शहर के सबसे महंगे स्कूल और बाद में बहुत महंगी आइवी लीग यूनिवर्सिटी (जो कि डिफॉल्ट है, जन्मसिद्ध अधिकार!) नहीं भेज पाएंगे। भाई, बच्चे ये चीजें नहीं मांगते–उन्हें केवल प्यार चाहिए। साथ ही, थोड़ा संघर्ष किसी को भी नुकसान नहीं पहुंचाता, और वास्तव में उन्हें यही चाहिए हो सकता है। ताकि वे कूल, आत्मविश्वासी, संतुष्ट, जागरूक और योगदान देने वाले नागरिक बनें।*

समाधान की तलाश– *तो, समाधान क्या है? बीस के दशक में बच्चे पैदा करना–हां, यह कुछ समय के लिए अराजक है, लेकिन आपके पास अपने चालीसवें दशक और उसके बाद जीने के लिए समय है? तीस के दशक के मध्य और उसके बाद बच्चे पैदा करना–आपके पास अधिक संसाधन हैं और आप (उम्मीद है) अधिक परिपक्व हैं?*

हालांकि, आप अपने पचास के दशक में स्कूल की PTAs में भाग ले रहे होंगे। किसी भी उम्र में, पेरेंटिंग अभी जितनी कठिन है, उतनी कभी नहीं रही। हमारे पास वह गांव नहीं है जो हमें एक बच्चे/बच्चों को पालने के लिए चाहिए, और कोई वैकल्पिक सहायता प्रणाली नहीं है। समाज को समझना होगा कि बच्चे पैदा करना या न करना व्यक्तिगत निर्णय है। लेकिन अगर हम जनसंख्या संतुलन की चिंता करते हैं, तो हमें समाधान के रूप में केवल सलाह देना बंद करना होगा। इसके बजाय, हमें ऐसी सामुदायिक संरचनाएं बनानी होंगी जो युवा माता-पिता को सहायता प्रदान करें। हमें कार्यस्थल नीतियों की आवश्यकता है जो वास्तव में परिवार के अनुकूल हों।

और सबसे महत्वपूर्ण, हमें 'परफेक्ट पेरेंटिंग' के दबाव से मुक्त होना होगा। बच्चों को आइवी लीग नहीं, प्यार चाहिए। उन्हें महंगे खिलौने नहीं, समय चाहिए। उन्हें परफेक्ट माता-पिता नहीं, खुश माता-पिता चाहिए।

तीन दिवसीय राखीगढ़ी महोत्सव का रंगारंग समापन, हजारों दर्शकों की रही मौजूदगी मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता ने की बतौर मुख्य अतिथि शिरकत

–राजधानी चौपाल–

हिसार : तीन दिवसीय ऐतिहासिक राखीगढ़ी महोत्सव का भव्य एवं रंगारंग समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह में हिसार मंडल के आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त महेंद्र पाल द्वारा की गई। इस अवसर पर हांसी पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन सहित अनेक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, गणमान्य नागरिक, खिलाड़ी, कलाकार तथा बड़ी संख्या में दर्शक एवं पर्यटक उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता ने हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शकों और पर्यटकों को संबोधित करते हुए कहा कि राखीगढ़ी आकर उन्हें अत्यंत खुशी और गौरव की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि सिंधु-सरस्वती घाटी सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध सभ्यताओं में से एक है। राखीगढ़ी में पुरातात्विक खुदाई के दौरान मिले साक्ष्य यह प्रमाणित करते हैं कि उस समय के लोग अत्यंत उन्नत, विद्वान और वैज्ञानिक सोच वाले थे। हमारे पूर्वजों की विद्वत्ता और संस्कृति पीढ़ी दर पीढ़ी हम तक पहुंची है, जिस पर हम सभी को गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे महोत्सव हमारी ऐतिहासिक धरोहर को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता ने तीन दिवसीय राखीगढ़ी महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर एवं नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही महोत्सव को सफल बनाने में कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी से कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया।

समापन समारोह से पहले मुख्य अतिथि मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता और उपायुक्त महेंद्र पाल ने खेल मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने खिलाड़ियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर कड़ी मेहनत करने, अनुशासन बनाए रखने और खेल को खेल भावना के साथ खेलने का संदेश दिया। इस दौरान खिलाड़ियों ने दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सेल्फी ली तथा ग्रुप फोटो भी खिंचवाए, जिससे उत्साह का माहौल और भी बढ़ गया।

मुख्य अतिथि मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता तथा उपायुक्त महेंद्र पाल ने महोत्सव स्थल पर विभिन्न विभागों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद करते हुए उनके द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की जानकारी ली और उनके द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की सराहना की। अधिकारियों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रदर्शनी स्टालों के निरीक्षण के दौरान नागरिकों ने उपायुक्त महेंद्र पाल से बातचीत करते हुए राखीगढ़ी महोत्सव की जमकर सराहना की। नागरिकों ने बताया कि इस महोत्सव के माध्यम से उन्हें सिंधु-सरस्वती घाटी सभ्यता एवं संस्कृति और पुरातात्विक धरोहर से जुड़ी कई नई और महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुई हैं। उन्होंने महोत्सव को लेकर किए गए प्रशासनिक प्रबंधों की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं से संवाद कर न केवल उनका फीडबैक लिया, बल्कि आगामी वर्ष आयोजित होने वाले राखीगढ़ी महोत्सव को और अधिक भव्य एवं बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए। उन्होंने छोटे बच्चों को दुलार कर उनका उत्साह भी बढ़ाया।

समापन अवसर पर बरवाला एसडीएम डॉ वेद प्रकाश बेनीवाल ने मुख्य अतिथि मंडलायुक्त रवि प्रकाश गुप्ता, उपायुक्त महेंद्र पाल, पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन सहित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों एवं क्षेत्रवासियों का महोत्सव को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने सभी को नववर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं भी दी।

राखीगढ़ी महोत्सव में आयोजित 65 किलोग्राम भार के कुश्ती मुकाबले में मिर्चपुर गांव के खिलाड़ी संदीप प्रथम स्थान पर रहे। इन्हें 5100 रूपए की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। 92 किलो वर्ग भर में डाबरा गांव के खिलाड़ी सचिन प्रथम स्थान पर रहे, उन्हें 21 हजार रूपए की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया, इसी प्रकार से 125 किलोग्राम भार वर्ग में गांव मिर्चपुर के खिलाड़ी रोहित प्रथम स्थान पर रहे, उन्हें भी 21 हजार रूपए की राशि देकर सम्मानित किया। कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में जींद की तथा महिला वर्ग में गांव भिवानी रोहिल्ला की टीम प्रथम स्थान पर रही। कुश्ती प्रतियोगिता में महिला वर्ग में 53 किलोग्राम भार मुकाबले में किरण प्रथम स्थान पर रही, उन्हें 5100 रूपए की राशि, 62 किलोग्राम वर्ग भार मुकाबले में अंशिका प्रथम स्थान पर रही, उन्हें 8100 रूपए की राशि तथा 72 किलोग्राम वर्ग भर के मुकाबले में मनीषा प्रथम स्थान पर रही, इन्हें भी 8100 रुपए की राशि देकर सम्मानित किया गया।

एचपीडब्ल्यूपीसी की बैठक में 4016 करोड़ रूपए की परियोजनाओं को मंजूरी, बिजली व शहरी ढांचे को मिलेगी बड़ी मजबूती

–राजधानी चौपाल–

चंडीगढ़ : नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय हाई पावर्ड वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य के बिजली वितरण तंत्र और शहरी आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने से जुड़ी कई अहम परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई।

बैठक में कुल 58 टेंडरों पर विचार किया गया, जिनकी अनुमानित लागत लगभग 4216 करोड़ रूपए थी। इनमें से 56 टेंडरों पर विस्तृत मोलभाव के बाद कार्यों की कुल स्वीकृत राशि 4016 करोड़ रूपए तय की गई, जिससे लगभग 150 करोड़ रूपए की बचत सुनिश्चित हुई। इसे राज्य सरकार की मजबूत वित्तीय प्रबंधन, पारदर्शिता और संसाधनों के कुशल उपयोग की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

दक्षिण और उत्तर हरियाणा में बिजली ढांचे को मजबूती

बैठक में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अंतर्गत डबवाली, नरवाना, सोहना, सिरसा, गुरुग्राम-द्वितीय, फतेहाबाद, हिसार, नारनौल और रेवाड़ी क्षेत्रों में वितरण अवसंरचना विकास और सब-स्टेशन सुदृढ़ीकरण से जुड़े कार्यों को मंजूरी दी गई।

वहीं उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के तहत पंचकूला, पिंजौर, बरवाला, रायपुर रानी, पानीपत, करनाल, समालखा और रोहतक क्षेत्रों में वितरण प्रणाली को मजबूत करने और सब-स्टेशनों के विस्तार से संबंधित परियोजनाओं को हरी झंडी दी गई।

गुणवत्ता और समयबद्धता पर सख्त निर्देश

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत कार्य उच्च गुणवत्ता, पूर्ण पारदर्शिता और निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं।

उन्होंने न्यूनतम लागत में अधिकतम गुणवत्ता और टिकाऊ निर्माण सामग्री के उपयोग पर विशेष जोर दिया।

आरडीएसएस योजना और स्मार्ट सिस्टम को बढ़ावा

बिजली वितरण क्षेत्र को सशक्त करने के लिए रिवैम्प्ड रिफॉर्म्स-बेस्ड एंड रिजल्ट्स-लिंक्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसके अंतर्गत लाइन लॉस में कमी, नए 33 केवी सब-स्टेशन की स्थापना तथा मौजूदा सब-स्टेशनों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के कार्य शामिल हैं। इसके अलावा गुरुग्राम में एससीएडीए और डीएमएस/ओएमएस सिस्टम लागू करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई। हालांकि फरीदाबाद और गुरुग्राम में 66 केवी सब-स्टेशनों से जुड़े 11 केवी शहरी व औद्योगिक फीडरों के आधुनिकीकरण संबंधी एक टेंडर को दोबारा आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया।

स्वच्छता अभियान को मिलेगी नई ऊर्जा - स्कूलों के छात्र बनेंगे 'दा स्वच्छता हीरो' : शालिनी चेतल

–राजधानी चौपाल–

हिसार : नगर निगम द्वारा स्वच्छता को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है, जिसके तहत अब स्कूलों के छात्र भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस संबंध में नगर निगम कार्यालय में अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल की अध्यक्षता में स्कूल संचालकों, प्रिंसिपलों और उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल ने बताया कि निगमायुक्त नीरज के निर्देशानुसार स्वच्छता से जुड़े सभी कार्यों की अधिकारी स्तर पर कड़ी निगरानी की जा रही है। साथ ही नागरिकों, विशेष रूप से विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अतिरिक्त आयुक्त ने बताया कि 1 जनवरी से 15 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश के दौरान स्कूलों के छात्र अपने आसपास के क्षेत्रों में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। इस अवधि में छात्र ''दा स्वच्छता हीरो'' के रूप में कार्य करेंगे और अपनी स्वच्छता संबंधी गतिविधियों पर आधारित एक प्रोजेक्ट भी तैयार करेंगे। नगर निगम द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। इस पहल से स्वच्छता का संदेश घर-घर तक पहुंचने की उम्मीद है और समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।

हरियाणा में भूमि बंटवारे के लंबित मामलों पर सख्ती : लक्ष्य पूरे नहीं किए तो होगी कार्रवाई

एफसीआर डॉ. सुमिता मिश्रा का कड़ा फरमान – मासिक लक्ष्य तय, प्रदर्शन खराब रहा तो बदली पक्की

–राजधानी चौपाल–

चंडीगढ़ : वित्तीय आयुक्त, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग (एफसीआर) डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज राज्य भर में बंटवारे की कार्यवाही के निपटारे में तेजी लाने के उद्देश्य से व्यापक निर्देश जारी किए। यह पहल राजस्व न्यायालयों में देरी के कारण लंबे समय से कठिनाई का सामना कर रहे हजारों नागरिकों को राहत प्रदान करने का प्रयास है। डॉ. मिश्रा ने इस बात पर जोर दिया कि भूमि बंटवारे की कार्यवाही राजस्व अधिकारियों को सौंपी गई सबसे महत्वपूर्ण वैधानिक जिम्मेदारियों में से एक है। गहन जांच के बाद, एफसीआर ने बंटवारे के मामलों के समयबद्ध निपटारे को सुनिश्चित करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ तत्काल अनुपालन के लिए निर्देशों और दिशा-निर्देशों की एक श्रृंखला जारी की है।

हर माह 12 मामले निपटाने होंगे, तीन-स्तरीय निगरानी का जाल

नए निर्देशों के तहत, प्रत्येक सहायक कलेक्टर (द्वितीय श्रेणी) को प्रति माह न्यूनतम 12 बंटवारे के मामलों का निपटारा करना अनिवार्य किया गया है। इन लक्ष्यों के सख्त पालन को सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत तीन-स्तरीय निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है। उपायुक्त, मंडलायुक्त और वित्तीय आयुक्त राजस्व के स्तर पर मासिक आधार पर अनुपालन की समीक्षा की जाएगी। सभी जिलों को सख्त निगरानी सुनिश्चित करने और बिना किसी चूक के मासिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

खाली बैठे तहसीलदारों को अब करने होंगे 20 मामले निपटारे

असमान कार्यभार वितरण के मुद्दे को संबोधित करते हुए, डॉ. मिश्रा ने कहा कि कुछ तहसीलदार वर्तमान में तुलनात्मक रूप से कम कार्यभार वाली शाखाओं में तैनात हैं। संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने के लिए, सभी उपायुक्तों को ऐसे तहसीलदारों को लंबित बंटवारे के मामले हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया है। इन अधिकारियों के लिए प्रति माह 20 मामलों का न्यूनतम लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि जिला कलेक्टरों को अपने प्रशासनिक नियंत्रण के तहत सभी राजस्व न्यायालयों में बंटवारे के मामलों का समान वितरण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है।

रिटायर्ड अधिकारियों से कराया जाएगा समझौता, 10 हजार रुपये का मानदेय

उन्होंने आगे कहा कि ये सेवानिवृत्त अधिकारी गांव स्तर पर एडीआर शिविर आयोजित करेंगे, जिसमें विवादित पक्षों को सहमति के माध्यम से परस्पर सहमत समझौतों पर पहुंचने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। समझौते तक पहुंचने के बाद, पक्ष औपचारिक कानूनी कार्यान्वयन के लिए संबंधित राजस्व अधिकारी से संपर्क करेंगे। इस तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए, प्रति सफलतापूर्वक हल किए गए मामले पर 10,000 रुपये के मानदेय को मंजूरी दी गई है, जिसे विवादित पक्षों द्वारा समान रूप से साझा किया जाएगा। प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एडीआर तंत्र के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं।

तिमाही समीक्षा : टॉप 5 को इनाम, बॉटम 5 की बदली पक्की

डॉ. मिश्रा ने कहा कि कुशल कार्यप्रणाली को प्रेरित करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक प्रदर्शन समीक्षा तंत्र स्थापित किया गया है। बंटवारे के मामलों को संभालने वाले अधिकारियों के प्रदर्शन की तिमाही आधार पर समीक्षा की जाएगी। प्रोत्साहन के रूप में, शीर्ष पांच प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों (राजस्व भूमिकाओं में पहले से मौजूद अधिकारियों को छोड़कर) को प्रशासनिक व्यवहार्यता के अधीन, उनकी पसंद की तहसीलों में तैनात किया जा सकता है। इसके विपरीत, जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, तहसीलों में तैनात निचले पांच अधिकारी जो लगातार निपटान लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहते हैं, उन्हें गैर-राजस्व असाइनमेंट में स्थानांतरित किया जा सकता है। यह गाजर-और-छड़ी दृष्टिकोण राजस्व प्रशासन में दक्षता और जवाबदेही की संस्कृति बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

pdf -2_pdf page.qxd 01-Jan-26 3:03 PM Page 3

आज धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास किया जा रहा है : कुमारी सैलजा

कहा-कांग्रेस लोगों के हकों और संविधान की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी

-राजधानी चौपाल-

चंडीगढ़ : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा हमेशा देश के गरीब, किसान, मजदूर और वंचित वर्ग के साथ खड़ी रही है। पर आज धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास किया जा रहा है, संविधान को खत्म करने की साजिश की जा रही है पर कांग्रेस लोगों के हकों और संविधान की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। कांग्रेस की विचारधारा ही देश को जोड़ने वाली शक्ति है और इसी रास्ते पर चलकर ही भारत को मजबूत, समावेशी और न्यायपूर्ण बनाया जा सकता है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस ही वह पार्टी है जिसने देश को आजादी दिलाई और संविधान के माध्यम से हर नागरिक को समान अधिकार दिए। सांसद ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान देश की आत्मा है और आज उसे कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं। ऐसे समय में कांग्रेस का दायित्व और बढ़ जाता है कि वह संविधान की रक्षा के लिए सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करे। कुमारी सैलजा ने विशेष रूप से ग्रामीण गरीब और मजदूर वर्ग की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर किया जा रहा है। मनरेगा ने ग्रामीण भारत को

रोजगार देने के साथ-साथ पलायन रोकने में बड़ी भूमिका निभाई है, लेकिन वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण यह योजना लगातार प्रभावित हो रही है। बजट में कटौती और काम के दिनों में कमी से गरीब परिवारों की आजीविका पर सीधा असर पड़ रहा है।

सांसद कुमारी सैलजा ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अरावली सिर्फ पहाड़ नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन, जल संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि अरावली क्षेत्र में बढ़ता खनन और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी गंभीर चिंता का विषय है, जिस पर सरकार को तुरंत सख्त कदम उठाने चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक न्याय और गरीबों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती आई है और आगे भी पूरी मजबूती से जनता की आवाज़ उठाती रहेगी। चाहे अरावली बचाने का जन आंदोलन हो, मनरेगा को मजबूत करने की मांग हो या संविधान की रक्षा कांग्रेस हर मोर्चे पर संघर्ष करती रहेगी। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा ही देश को जोड़ने वाली शक्ति है और इसी रास्ते पर चलकर ही भारत को मजबूत, समावेशी और न्यायपूर्ण बनाया जा सकता है।

उन्नाव रेप पीड़िता मामले पर निशाना साधते हु कुमारी सैलजा ने कहा कि जगह-जगह यह काम हुए हैं। कई राज्यों में यह काम हुए हैं, उत्तराखंड में अंकिता केस हुआ। हर जगह देखा होगा, न्याय दिलाने की बजाई बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का खोखला नारा लोगों पर न थोपा जाए, असल में न्याय दिलाया जाए। खास तौर पर उदाहरण के तौर पर इनको बीजेपी सरकार को आगे बढ़ना चाहिए। जब इनके बड़े-बड़े लोग ऐसे केसों में सम्मिलित होते हैं, लेकिन इस मामले में पीड़ित परिवार ने जांच अधिकारी के खिलाफ उंगली उठाई है। सरकार इनकी, लोग इनके, दोषी इनके तो ऐसे में बीजेपी इन लोगों को बचाने की कोशिश करती हैं और इन लोगों की सच्चाई सामने आ जाती हैं। न्याय के लिए हर तरह का प्रयास होना चाहिए। भाजपा सरकार जहां-जहां पर है उनके राज्य में ऐसा होता रहा है। चाहे हाथरस रहा हो उन्नाव रहा हो हर जगह देखा गया है। भाजपा अपने लोगों को बचाने का काम करती है।

मोक्ष वृद्धाश्रम में रोहण जायसवाल को मिला नया जीवन, सफल रहा हर्निया का ऑपरेशन

पूर्णतः स्वस्थ होने पर रोहण जायसवाल ने मोक्ष वृद्धाश्रम में सेवा की जताई इच्छा

-राजधानी चौपाल-

हिसार : मोक्ष वृद्धाश्रम बुजुर्गों को भोजन, आवास व वस्त्र की समुचित सुविधा निःशुल्क उपलब्ध करवाने के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के मामले में भी मिसाल कायम कर रहा है। हर्निया से पीड़ित रोहण जायसवाल का सफल ऑपरेशन करवाकर मोक्ष वृद्धाश्रम ने उसे नया जीवन प्रदान किया है। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक मां पंकज संधीर व प्रधान विजय भृगु ने बताया कि कई वर्षों से हर्निया से परेशान रोहण जब कैमरी रोड स्थित मोक्ष वृद्धाश्रम में पहुंचा तो उसकी हालत देखते हुए सबसे पहले ऑपरेशन करवाया गया। अब रोहण जायसवाल स्वस्थ है और स्वास्थ्य लाभ ले रहा है। मां पंकज संधीर व विजय भृगु ने बताया कि मूलरूप से कोलकाता निवासी रोहण जायसवाल के बचपन में ही उसकी माता का देहांत हो गया था। चार वर्ष पूर्व उसके पिता की भी बीमारी के कारण मृत्यु हो गई। देखभाल के अभाव में रोहण ने दिल्ली का रूख किया और यहां पर एक होटल में फूड पैकेजिंग का कार्य करने लगा। उसके पेट में पहले से ही दर्द रहता था लेकिन समय के साथ यह दर्द हर्निया के रूप में सामने आया। हालत इतनी बिगड़ गई कि रोहण जायसवाल को काम छोड़कर दिल्ली के रैन बसेरा में शरण लेनी पड़ी लेकिन हर्निया बढ़ने के कारण दर्द से उसकी बेचैनी बढ़ने लगी। किसी माध्यम से उसे हिसार के कैमरी रोड स्थित मोक्ष वृद्धाश्रम की जानकारी मिली तो वह हिम्मत करके यहां लगभग तीन सप्ताह पहले पहुंच गया। मोक्ष वृद्धाश्रम में पहुंचते ही रोहण जायसवाल की स्थिति देखते हुए उसे चिकित्सकों को दिखाया गया और लगभग दो सप्ताह पूर्व उसका ऑपरेशन हुआ। इसके उपरांत रोहण को दर्द से राहत मिल गई और अब उसे चलने-फिरने में कोई परेशानी नहीं है। समुचित इलाज के साथ-साथ वह स्वास्थ्य लाभ ले रहा है। रोहण जायसवाल का कहना है कि मोक्ष वृद्धाश्रम में परिवार से भी अधिक देखभाल की जा रही है। उसकी इच्छा है कि वह मोक्ष वृद्धाश्रम में रहकर ही यहां सेवा कार्य करे।

मोक्ष वृद्धाश्रम ने जगाई स्वस्थ होने की उम्मीद

हर्निया के सफल ऑपरेशन के बाद दर्द से निजात मिलने पर रोहण जायसवाल का कहना है कि मोक्ष वृद्धाश्रम ने उसे नया जीवन दिया है। अपनी बढ़ती बीमारी के चलते उसने स्वस्थ होने की उम्मीद ही छोड़ दी थी लेकिन यहां पहुंचने पर संपूर्ण चिकित्सा के साथ-साथ दिनचर्या की तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। उसने कहा कि मोक्ष वृद्धाश्रम ने ही उसके स्वस्थ होने की उम्मीद जगाई। रोहण का कहना है कि अब वह मोक्ष वृद्धाश्रम में सच्चे मन से सेवा के कार्य करना चाहता है।

बुजुर्गों की समुचित देखभाल के लिए कृतसंकल्प

हिसार में कैमरी रोड पर स्थित मोक्ष वृद्धाश्रम में लावारिस, परिवार से बिछड़े व अवसाद के कारण अपने घर से दूर निकल आए बुजुर्गों की समुचित देखभाल की जाती है। यहां पर बुजुर्गों को भोजन, वस्त्र व आवास सुविधाओं के साथ-साथ चिकित्सा संबधी संपूर्ण सुविधाएं भी निशुल्क उपलब्ध करवाई जाती हैं। मोक्ष वृद्धाश्रम के साथ-साथ कैमरी रोड पर मोक्ष मंदबुद्धि महिला आश्रम व आनंदा आश्रम एवं अंबाला में मोक्ष वृद्धाश्रम का बखूबी संचालन किया जा रहा है। इस श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए हिसार के चौधरीवास में आचार्य श्री विद्यासमयशरणम् मोक्ष वृद्धाश्रम का निर्माण कार्य सुचारू ढंग से चल रहा है।

जेसीडी विद्यापीठ में शिक्षण संस्थानों की प्रगति को लेकर उच्चस्तरीय बैठक

उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका केवल डिग्री प्रदान करना नहीं : करण चौटाला

-राजधानी चौपाल-

सिरसा : जेसीडी विद्यापीठ, सिरसा में महानिदेशक प्रो. डॉ. जय प्रकाश के नेतृत्व में प्राचार्यों, अधिकारियों, वार्डनों एवं विभागाध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण संवादात्मक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जिला परिषद, सिरसा के माननीय चेयरमैन श्री करण चौटाला जी तथा जेसीडी विद्यापीठ, सिरसा के चेयरमैन श्री अर्जुन सिंह चौटाला जी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ सुधांशु गुप्ता, डॉ ओमप्रकाश, संजीव जैन के इलावा प्राचार्य डॉ अरिंदम सरकार, डॉ मोहित कुमार, प्रोफेसर रणजीत सिंह, डॉ रोशनलाल, इंजीनियर आर एस बरार, प्रोफेसर राजेंद्र कुमार, डॉ रणदीप कौर, डॉ अमरीक सिंह गिल, डॉक्टर प्रदीप कंबोज एवं नीतू झिंझा आदि उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता माननीय श्री अर्जुन सिंह चौटाला एवं माननीय श्री करण चौटाला द्वारा की गई, जबकि बैठक का संचालन एवं अध्यक्षीय उद्बोधन जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेशक प्रो. डॉ. जय प्रकाश द्वारा किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य जेसीडी विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित सभी शिक्षण संस्थानों एवं प्रशासनिक इकाइयों की शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं संस्थागत प्रगति की समीक्षा करना रहा।

बैठक की शुरुआत में महानिदेशक प्रो. डॉ. जय प्रकाश ने सभी उपस्थित अतिथियों, प्राचार्यों, अधिकारियों एवं शिक्षकों का स्वागत किया। इसके उपरांत उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2024×25 के दौरान जेसीडी विद्यापीठ की उपलब्धियों, आधारभूत संरचना विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, अनुसंधान गतिविधियों, खेल उपलब्धियों एवं छात्र कल्याण से संबंधित विभिन्न पहलों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने अपने-अपने संस्थानों की शैक्षणिक प्रगति, परीक्षा परिणाम, नवाचार, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. अमरिक गिल ने खेलों के क्षेत्र में विद्यार्थियों द्वारा अर्जित उपलब्धियों की जानकारी साझा की। वहीं बालिका छात्रावास की वार्डन नीतू झिंझा ने छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु की गई व्यवस्थाओं से अवगत कराया।

श्री करण चौटाला ने अपने संबोधन में गुणवत्तापूर्ण एवं मूल्य आधारित शिक्षा पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज को जिम्मेदार एवं सक्षम नागरिक देना है।

'पीछा करो' अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई : रिश्वत लेने के मामले में निजी व्यक्ति गिरफ्तार

-राजधानी चौपाल-

चंडीगढ़ : राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, करनाल रेंज ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान 'पीछा करो' के अंतर्गत एक और प्रभावी सफलता प्राप्त करते हुए रिश्वत लेने के मामले में संलिप्त एक निजी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नेहरू पुत्र श्री जिले सिंह, निवासी पिल्लुखेड़ा, जिला जींद के रूप में हुई है।

भूमि बंटवारे के प्रकरण में रिश्वत की मांग का मामला- शिकायतकर्ता द्वारा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, उप-केन्द्र जींद में दी गई शिकायत के अनुसार, वर्ष 2021 में उसने अपनी कृषि भूमि के बंटवारे के लिए नायब तहसीलदार, पिल्लुखेड़ा के समक्ष प्रकरण प्रस्तुत किया था। इस प्रक्रिया के अंतर्गत नक्शा-बे तैयार किए जाने के एवज में तत्कालीन कानूनगो सुरेश द्वारा 25,000 रूपए की अवैध रिश्वत की मांग की गई।

निजी व्यक्ति के माध्यम से तय की गई रिश्वत राशि- शिकायत के अनुसार, कानूनगो सुरेश ने शिकायतकर्ता को बताया कि नेहरू, जो पिल्लुखेड़ा नहर के समीप दुकान संचालित करता है, उसका परिचित है तथा उसी के माध्यम से बातचीत की जाए। इसके पश्चात शिकायतकर्ता की मुलाकात नेहरू से कराई गई, जिसने आगे कानूनगो से संपर्क कर रिश्वत की राशि तय की। शिकायतकर्ता ने बताया कि आपसी सहमति के बाद नक्शा-बे तैयार करने के बदले में 15,000 रूपए में सौदा तय हुआ।

पहली किश्त के रूप में 5,000 रूपए की राशि दिलवाने का आरोप- आरोप है कि इस दौरान कानूनगो सुरेश द्वारा शिकायतकर्ता से 5,000 रूपए की राशि नेहरू के माध्यम से प्राप्त करवाई गई तथा शेष 10,000 रूपए बाद में देने की शर्त रखी गई, जिसके पश्चात ही नक्शा-बे तैयार किए जाने का आश्वासन दिया गया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज- प्राप्त शिकायत पर विधिवत कार्रवाई करते हुए राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, करनाल द्वारा आरोपी सुरेश (कानूनगो, तहसील पिल्लुखेड़ा) तथा नेहरू के विरुद्ध अभियोग संख्या दिनांक 06.09.2025 अंतर्गत धारा 7 एवं 7ए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 तथा धारा 61(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, करनाल मंडल में मामला दर्ज किया गया।

सूने आँगनों की गवाही

- डेस्क-

आँगन सूने हैं,
दीवारें गिनती हैं
उन पगचिह्नों को
जो कभी पड़े ही नहीं।
जिन बेटियों को
जन्म से पहले
हमने चुपचाप विदा कर दिया,
आज उनकी अनुपस्थिति
दरवाज़ों पर खड़ी है।
करोड़ों की दौलत
इस सन्नाटे को
भर नहीं पाती,
और नाम, वंश, प्रतिष्ठा
सब मौन हो जाते हैं।
यह कोई दंड नहीं–
यह हमारी ही
निर्दय चुप्पी की
धीमी-धीमी फसल है।
यदि अब भी
जीवन को
सम्मान से नहीं देखा,
तो यह सन्नाटा
पीढ़ियों तक
हमारे साथ चलेगा।

— डॉ. प्रियंका सौरभ

अनिल विज की सख्ती से 1500 करोड़ के वर्कस्लिप घोटाले का भंडाफोड़, मुख्यमंत्री से उच्चस्तरीय जांच की सिफारिश

-राजधानी चौपाल-

चंडीगढ़ : हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज की सख्त निगरानी और निर्णायक कार्रवाई से हरियाणा भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में वर्षों से चल रहे वर्कस्लिप (कार्य रसीद) घोटाले का बड़ा खुलासा हुआ है। प्रारंभिक जांच में यह घोटाला करीब 1500 करोड़ रुपये तक का होने की आशंका जताई गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए श्रम मंत्री ने पूरे प्रकरण की किसी प्रतिष्ठित और स्वतंत्र जांच एजेंसी से उच्चस्तरीय जांच कराने की सिफारिश मुख्यमंत्री से की है।

फर्जी पंजीकरण और अवैध वर्कस्लिपों का जाल बेनकाब- श्रम मंत्री ने बताया कि हाल ही में बोर्ड की बैठक के दौरान श्रमिक पंजीकरण और योजनाओं के लाभ वितरण में गंभीर अनियमितताओं के संकेत मिले थे, जिसके बाद तत्काल जांच के आदेश दिए गए। जांच में सामने आया कि गांव-गांव फर्जी तरीके से श्रमिकों का पंजीकरण कर वर्कस्लिपें बनाई गईं और अपात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया। यह सीधे तौर पर सरकारी धन की खुली लूट है।

दो लाख से अधिक पंजीकरण, मात्र 14 हजार ही पात्र- जांच में यह भी सामने आया कि कुल 2,21,517 श्रमिक पंजीकरणों में से सत्यापन के बाद केवल 14,240 श्रमिक ही पात्र पाए गए, जबकि 1,93,756 पंजीकरण पूरी तरह फर्जी निकले। श्रम मंत्री ने कहा कि एक-एक अपात्र श्रमिक को विभिन्न योजनाओं के तहत औसतन ढाई लाख रुपये तक का लाभ दिया गया, जिससे सरकार को सैकड़ों करोड़ रुपये की भारी वित्तीय क्षति हुई है।

जांच के दौरान कड़े प्रशासनिक कदम- श्रम मंत्री ने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया के दौरान आरटीएस की समय-सीमा रोकी गई, सरल केंद्रों को नए आवेदन स्वीकार न करने के निर्देश दिए गए और सभी शिकायत निवारण मंचों को आवश्यक सूचनाएं जारी की गईं। हालांकि पहले से स्वीकृत पेंशन योजनाओं को बाधित नहीं किया गया, जबकि मृत्यु, दुर्घटना और अंत्येष्टि सहायता जैसी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर जारी रखा गया।

वास्तविक श्रमिकों के हक की रक्षा पर जोर- अनिल विज ने कहा कि हरियाणा में निर्माण श्रमिकों के लिए शिक्षा सहायता, छात्रवृत्ति, पेंशन, विवाह सहायता, चिकित्सा सहायता, आवास ऋण, दुर्घटना मुआवजा सहित अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य केवल वास्तविक श्रमिकों का सशक्तिकरण है। इन योजनाओं का लाभ उन्हीं श्रमिकों को मिलना चाहिए जो 90 दिनों के कार्य सत्यापन के बाद विधिवत पंजीकृत हों।

भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक संदेश- श्रम मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि यह कार्रवाई एक कड़ा संदेश है कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में सेंध लगाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। दोषी चाहे किसी भी स्तर पर हों, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार पूरी मजबूती से खड़ी रहेगी।

समाधान शिविर में अधिकारियों ने सुनी जनसमस्याएं

-राजधानी चौपाल-

हिसार : लघु सचिवालय स्थित जिला सभागार में सोमवार को नगराधीश हरिराम ने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निवारण के लिए आगामी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

समाधान शिविर में गांव बालसमंद निवासी संदीप द्वारा घरेलू बिजली खपत से ज्यादा बिल आने व बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा नाजायज तंग करने की शिकायत पर नगराधीश हरिराम ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के एसई को मामले की जांच कर विभागीय कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

गांव मंगाली आकलान निवासी खेमचंद द्वारा फैमिली आईडी में गलत दर्शाई गई प्रॉपर्टी को हटाकर आईडी में कुल इनकम को ठीक करने की मांग पर नगराधीश हरिराम ने संबंधित को विभाग के अधिकारियों को प्रार्थी के समक्ष आ रही समस्या का दुरुस्त करने की हिदायत दी।

इसी प्रकार एक अन्य प्रार्थी रवि कुमार द्वारा हांसी के सेक्टर-6 में पूरी किस्त की अदायगी के बावजूद उपयुक्त प्लाट ना मिलने की शिकायत के समाधान के लिए नगराधीश ने एचएसवीपी विभाग के अधिकारियों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

गांव बालसमंद निवासी एक प्रार्थी ने किसी व्यक्ति द्वारा मिट्टी डालकर सीवरेज लाइन बन्द करने की शिकायत पर नगराधीश ने जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को मामले की जांच कर आगामी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

गांव भोजराज निवासी संदीप ने फसल की गिरदावरी दुरुस्त करवाने की शिकायत पर नगराधीश ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को आगामी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया।

समाधान शिविर में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेन्द्र सिंह संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजगुरु मार्केट होगी पूर्णतः अतिक्रमण मुक्त : मेयर प्रवीण पोपली

-राजधानी चौपाल-

हिसार : राजगुरु मार्केट को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से मेयर प्रवीण पोपली की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यालय में एक बैठक हुई। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल, अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा, सीएम एमिनेंट पर्सन प्रवीण जैन, राजगुरु मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट रवि मेहता, महेश चौधरी, सुरेन्द्र बजाज, जितेन्द्र वासुदेव, कमल अरोड़ा सहित तहबाजारी इंचार्ज सुरेन्द्र शर्मा व कार्यालय सहायक सुरेन्द्र वर्मा आदि मौजूद रहे। बैठक के दौरान राजगुरु मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के

पदाधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण के कारण ग्राहकों और राहगीरों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। दुकानों के बाहर सामान रखे जाने से बाजार की सड़कों पर आवाजाही बाधित होती है, जिससे ग्राहकों की संख्या में भी कमी आ रही है। उन्होंने सभी समस्याओं से मेयर प्रवीण पोपली को अवगत कराया गया।

मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि आने वाले दिनों में राजगुरु मार्केट में विशेष अभियान चलाकर इसे पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे अपना सामान दुकान की परिधि में ही रखें और सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें।

बैठक में मौजूद अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल और अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा ने कहा कि मेयर प्रवीण पोपली व निगमायुक्त नीरज के निर्देशानुसार शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। राजगुरु मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन की सहमति से यह निर्णय लिया गया है कि राजगुरु मार्केट को पूर्णतः अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही विशेष अभियान चलाकर इस निर्णय को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा।

pdf -2_pdf page.qxd 01-Jan-26 3:03 PM Page 4

लंपी ग्रस्त गायों को बचाने के लिये ठोस कदम उठाये प्रशासन : सत्यकाम आर्य

-राजधानी चौपाल-

हिसार : नगर की अनेक धार्मिक, सामजिक संस्थाओं व गौशालाओं से जुड़े समाजसेवी सत्य काम आर्य ने कहा है कि हिसार शहर में लंपीनामक बीमारी से ग्रस्त गायों की बुरी हालत है। इस बीमारी की चपेट में आई गायों को समय पर इलाज न मिले तो वो तड़प-तड़प कर मर जाती है। हिसार में इतनी गौशालाओं व गौसेवकों के होने के बाद भी इस बीमारी से ग्रस्त होने वाली गौमाता के लिए इलाज को कोई प्रबंध नहीं है। गौसेवक सत्य काम आर्य ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा कि हाल में इस बीमारी से ग्रस्त कुछ गायों को देखा गया। इस पर काफी प्रयास किये गये, किसी भी गौशाला में इन गायों के इलाज को कोई प्रबंध नहीं मिला। आखिरकार चंदन नगर में एक स्थान पर इन गायों को रखा गया। सत्य काम आर्य ने बताया कि लंपी स्किन डिजीज जिसे गांठदार त्वचा रोग भी कहते हैं, गायों और भैंसों में होने वाला एक संक्रामक वायरल रोग है। यह मुख्य रुप से कीड़ों के काटने से फैलता है और इसके लक्षणों में तेज बुखार, त्वचा पर गांठें और घाव शामिल हैं। इस बीमारी का इलाज और रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी तरीका है और प्रभावित पशुओं को तुरंत अलग कर देना चाहिए। वैक्सीनेशन करने के साथ गौवंश को अकेले में रखने के कुछ दिनों बाद गौवंश ठीक हो जाता है। इसके लिये एक बाड़े की आवश्यकता होती है मगर प्रशासन व गौ सेवक इस ओर कोई भी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

गौसेवक सत्यकाम आर्य ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि ढंढूर में गौ अभ्यारण के सामने 6-6 किले के दो बाड़े जिनमें बाऊंडरी व गेट बने हुए हैं, जिसमें ऐसे गौवंश को रखने की व्यवस्था की जा सकती है। गौशालाओं व समाजसेवियों द्वारा जरुरत पड़ने पर आर्थिक सहयोग भी दिया जा सकता है। प्रशासनिक अधिकारियों को इस ओर ध्यान देकर जल्द से जल्द उचित व्यवस्था करवानी चाहिये ताकि लंपी ग्रस्त गौवंश को वैक्सीनेशन की सुविधा देकर उसे बचाया जा सके।

लाडली वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट 14 दिसंबर को सूर्या सेलिब्रेशन में आयोजित करेगा भव्य सामूहिक विवाह समारोह

असमर्थ परिवारों की कन्याओं के विवाह समारोह के लिए पंजीकरण जारी : अनिल सिंगला मंगालीवाला

-राजधानी चौपाल-

हिसार : सेवार्थ भाव से विभिन्न प्रकल्पों का संचालन करने वाले लाडली वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 14 दिसंबर को दिल्ली रोड स्थित सूर्या सेलिब्रेशन में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस विवाह समारोह में कई प्रसिद्ध समाजसेवी, व्यवसायी, अधिकारी, अधिवक्ता, चिकित्सक व अन्य क्षेत्रों से जुड़ी प्रसिद्ध हस्तियां हिस्सा लेंगी। इस दौरान समाजसेवियों के सहयोग से बारात का स्वागत, भोजन व उपहारों की समुचित व्यवस्था भी रहेगी। लाडली वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अनिल सिंगला मंगालीवाला ने बताया कि सूर्या सेलिब्रेशन के स्वामी निर्मल गावडिया इस पुनीत कार्य के लिए स्थल निशुल्क उपलब्ध करवाएंगे। इसके साथ ही केशवम कैटर्स के स्वामी अनिल वर्मा नो प्राफिट-नो लॉस के आधार पर कैटरिंग की पूरी व्यवस्था करेंगे। उन्होंने बताया कि असमर्थ परिवारों की कन्याओं के विवाह समारोह के लिए ट्रस्ट द्वारा निशुल्क पंजीकरण किया जा रहा है। वर की आयु कम से कम 21 वर्ष और वधू की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। विवाह योग्य लडका व लडकी एवं उनके परिवार के पहचान पत्र की भी आवश्यकता रहती है। परिजनों की सहमति के साथ-साथ सरकार द्वारा जारी विवाह संबंधी नियमों को पूरा करने वाले जोड़ों का विवाह ट्रस्ट द्वारा पूरे विधि-विधान से 14 दिसंबर (रविवार) को करवाया जाएगा। अनिल सिंगला मंगालीवाला ने बताया कि लाडली ट्रस्ट के माध्यम से भी समाज हित के अनेक कार्य किए जा रहे हैं।

अनिल सिंगला मंगालीवाला ने बताया कि इस विवाह समारोह में लाडली वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान अनिल मीरकां, उपप्रधान वेदप्रकाश सिंगला, सचिव निर्मल गर्ग व कोषाध्यक्ष पवन जालंधरा सहित अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहेगा। उन्होंने बताया कि बहुत से परिवार अपनी बेटियों का विवाह अच्छे ढंग से करने में असमर्थ होते हैं। ऐसे परिवारों के कंधे से कंधा मिलाते हुए लाडली वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट विवाह समारोह का हर वर्ष आयोजन करता है। इस वर्ष भी सामूहिक विवाह समारोह को लेकर पदाधिकारी व सदस्यगण काफी उत्साहित हैं।

श्रीमद् भागवत कथा सुनने से मन को शान्ति मिलती है : बजरंग गर्ग

भागवत कथा सुनने से जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है : त्रिलोक महाराज जी

-राजधानी चौपाल-

हिसार : अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने अग्रोहा धाम में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में आए हुए अतिथियों का सम्मान करने के उपरांत कहा कि श्री मद् भागवत कथा सुनने से मन को शान्ति मिलती है। भगवत गीता में भगवान श्री कृष्ण जी ने कहा कि वे किसी एक धर्म या संप्रदाय के लिए नही बल्कि पुरे मानव समाज के लिए है। गीता का महत्व भारत देश ही नही पुरे विश्व में है। बजरंग गर्ग ने कहा कि गीता के अनुसार वासना, क्रोध और लालच पाप के समान है। श्री गर्ग ने कथा वाचक श्री त्रिलोक जी महराज को महाराजा अग्रसेन जी का स्मृति चिन्ह भेंटकर के सम्मानित किया। अग्रोहा धाम में श्री मद् भागवत कथा में बृज रतन श्री त्रिलोक जी महाराज वृंदावन वाले ने कहा कि भगवान कि भक्ति से भगवान के दर्शन होते है और आशीर्वाद मिलता है। जैसे दुध का सार घी, रसायन-माया का बेग बताते है। महाराज ने भजनों के माध्यम से गीता के बारे में जानकारी दी और भगवान श्री कृष्ण जी के जीवन और अवतारों का वर्णन किया। भागवत कथा सुनने से जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है। कलियुग में विशेष रूप से भगवान के सुमिरन का मोक्ष का मार्ग है। इस अवसर पर कथा संयोजक सुभाष चंद्र गर्ग, कृष्ण गोपाल गर्ग, आनंद गर्ग, पवन बंसल, बजरंग असरावां, अनंत अग्रवाल, ऋषि राज गर्ग, चूड़ियां राम गोयल, ईश्वर गोयल, महेश अग्रवाल, संदीप कुमार आदि प्रतिनिधियों ने भारी संख्या में कथा में भाग लिया।

डॉ. प्रज्ञा कौशिक ने की सेंट जोसफ विद्यालय में डिजिटल सेफ्टी और एआई पर कार्यशाला

-राजधानी चौपाल-

हिसार : डिजिटल सेफ्टी मेंटर डॉ प्रज्ञा कौशिक ने सेंट जोसफ विद्यालय के कैडेट्स को डीजिटल सेफ्टी, एआई फेक और साइबर अपराध के बारे में जागरूक रहने और बचाव के लिए प्रशिक्षित किया। इसमें क्विज के माध्यम से विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। फोटो और एआई से संबंधित फेक या भ्रमित जानकारी पहचानना सिखाया। उन्होंने साइबर अपराधी के नकली वेबसाइट बनाकर, नकली पहचान और डरा कर डीजिटल अरेस्ट करने, आमजन को टारगेट करने, सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने वाली भ्रामक सूचना को पहचानना और बचाव सिखाया। उन्होंने जानकारी दी कैसे मीडिया साक्षरता और विवेचनात्मक सोच हमारा स्कैम से बचाव कर सकती है। विद्यालय की प्रधानाचार्य रीतु आंचल और अन्य शिक्षक, नौवीं से ग्याहरवीं के विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। प्रधानाचार्य ने बताया आज ऐआई के युग में जंहा तकनीकी शिक्षा अनिवार्य है वहीं डिजिटल सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और मीडिया साक्षरता भी जागरूकता और बचाव के लिए अनिवार्य हो गया है। बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से बचना है और तकनीकी, ऐआई शिक्षा को प्रगति और सफलता के लिए समझदारी से इस्तेमाल करना है। अंत में उन्होंने डॉ प्रज्ञा कौशिक का जागरूकता कार्यशाला आयोजित करने के लिए धन्यवाद किया।

सैन्ट ज्ञानेश्वर सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में लेख प्रतियोगिता का आयोजन

महिलाओं को आगे बढ़ाने में सहकारी समितियों नए अवसर प्रदान करती है : सतीश वर्मा

राजधानी चौपाल

हांसी : स्थानीय सैन्ट ज्ञानेश्वर सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में हरियाणा राज्य सहकारी विकास संघ के द्वारा लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पहुंचने पर सभी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोद सैनी (पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि नगर परिषद हांसी) तथा अध्यक्षता नवीन ठाकुर एमीनेन्ट पर्सन सी.एम. विंडो हांसी एवं विशिष्ट अतिथि ऋषि पाल (सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी) थे। कार्यक्रम का नेतृत्व पूनम अनेजा व सन्तोष रानी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। विद्यालय पहुंचने पर अतिथियों का स्वागत फूलमालाओं व पगडी पहनाकर गर्मजोशी से किया गया। सभी विद्यार्थियों ने पूरी लगन व निष्ठा के साथ इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सतीश वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना चाहिए। उन्हें आगे बढ़ाने में सहकारी समितियों नए अवसर प्रदान करती है। उन्होंने सी.एम. विंडो के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी कि किस प्रकार हम अपनी शिकायतों को ऑनलाईन व ऑफलाईन मुख्यमन्त्री तक सीधे रूप से पहुंचा सकते है।

इस प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को मूमैन्टों प्रशस्ति पत्र व नकद राशि देकर विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एस.जी. स्कूल के विद्यार्थी अरूण ने द्वितीय स्थान भी एस.जी. स्कूल की खुशबू तथा तृतीय स्थान सैन्ट ज्ञानेश्वर सी.सैकेण्डरी स्कूल की छात्रा नेहा ने प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार हिन्दू सी.सै. स्कूल की छात्रा प्रियंका तथा सैन्ट पीटर्ज सी.सै. स्कूल की छात्रा डोली ने प्राप्त किया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को बधाईयां दी गई। विभिन्न स्कूलों के प्रतिनिधि, अध्यापक व छात्र-छात्राओं का समूह इस अवसर पर उपस्थित था।

गीता भवन का 76वां गीता जयंती महोत्सव आज से

पहले दिन भंडारा, 3 को गीता महायज्ञ व 4 को शोभा यात्रा निकाली जाएगी

राजधानी चौपाल

हिसार : आध्यात्मिक गीता-ज्ञान प्रचारिणी सभा द्वारा रामपुरा मौहल्ला स्थित गीता भवन के संस्थापक ब्रह्मलीन डा. बृजमोहन फिदाजी महाराज के आशीर्वाद से गीता भवन में 30 नवम्बर से 7 दिसम्बर तक 76वां गीता जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सभा की नवनिर्वाचित प्रधान ऊषा बक्शी ने बताया कि महोत्सव के पहले दिन प्रातः 11:30 बजे विशाल भंडारा चलाया जाएगा। 1 व 2 दिसम्बर को सायं 4 से 7 बजे तक प्रवचन व भजन कीर्तन होगा। 3 दिसम्बर को प्रातः 7:30 बजे गीता महायज्ञ किया जाएगा तथा सायंकाल 4 बजे से 7 बजे तक प्रवचन व भजन होंगे। इसके अलावा 4 दिसम्बर को दोपहर बाद 3 बजे नगर में शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जो विभिन्न बाजारों से होते हुए वापिस मंदिर प्रांगण में पहुंचेगी। 5 दिसम्बर को सायं 4 बजे से 7 बजे तक प्रवचन व भजन-कीर्तन होगा। 6 व 7 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक व सायंकाल 4 बजे से 7 बजे तक प्रवचन व भजन-कीर्तन का कार्यक्रम चलेगा। महोत्सव में महामंडलेश्वर स्वामी अमिता भारती, अंर्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ता राम निरमोही, बृजवासी नन्द गांव वाले पं. चैतन्य भारद्वाज, अंतर्राष्ट्रीय मानस व्यास पं. पतंजलि पाण्डेय रामायणी प्रवचन देंगे तथा भजन गायक व उपदेशक त्रिभुवन बक्शी, सुमित मित्तल, राधिका शर्मा व जितेश (लक्की) भजनों की वर्षा करेंगे।

एचकेएसडी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वन्दे मातरम कार्यक्रम का आयोजन

राजधानी चौपाल, हिसार। नागोरी गेट स्थित एचकेएसडी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्र गीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रानी लक्ष्मीबाई हाउस द्वारा एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कविता, भाषण, नृत्य व नाटिका द्वारा वन्दे मातरम की शुरुआत व महत्व को बखूबी दर्शाया गया। स्कूल की प्राचार्या रेनु मल्होत्रा ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर स्कूल का समस्त स्टाफ भी उपस्थित रहा।

गुरु तेग बहादुर के 350 वे शहीदी दिवस को समर्पित लाइट एंड साउंड शो

-राजधानी चौपाल-

हिसार । गुरु तेग बहादुर जी के 350 वे शहीदी दिवस को समर्पित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा मॉडल टाउन में शाम लाइट एंड साउंड शो, 'धर्म हेतु साका जिनि का किया' का आयोजन किया गया। इसमें श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन के सफर, भाई मती दास, भाई सती दास व भाई दयाला जी की लासानी शहादतों को दिखाया गया। लाइट एंड साउंड शो में श्रद्धालुओं ने हिंद दी चादर गुरु तेग बहादुर जी की वीर गाथा और उनके सर्वोच्च बलिदान को महसूस किया। शो की शुरुआत श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए डायरेक्टर व सूत्रधार हरविंदर पाल सिंह सोढ़ी ने हुई। इस शो को पंजाबी रंगमंच पटियाला के लगभग दो दर्जन कलाकारों ने मंच पर जीवंत कर दिया।

मंच पर स्क्रीन की सहायता से ऐतिहासिक दृश्य व घटनाए बहुत रोचक ढंग से दिखाई गई मंच पर स्क्रीन के सहारे कलाकारों ने हाथियों के पैरों तले कुचलने के सिन व बादशाह औरंगज़ेब का रोल करने वाले टीवी कलाकार ने अपने अभिनय से शो में जान डाल दी दर्शकों ने सांस रोक शो देखा बहुत से दर्शक हाथ जोड़कर बैठे थे और कई महिला दर्शकों की आँखों में आंसू देखे गए।

शो में दिखाया गया कि कैसे तेज आंधी के बीच अफरा-तफरी मचने पर भाई जैता जी आगे आए और उन्होंने गुरु साहिब का पावन शीश श्रद्धापूर्वक उठाकर कपड़े में लपेट लिया। वे दिन में छिपते और रात में चलते हुए श्री कीरतपुर साहिब पहुंचे, जहां गुरु गोबिंद सिंह जी को पिता का शीश भेंट किया। इस बहादुरी से प्रभावित हो कर गुरु गोबिंद सिंह जी रंगरेटे गुरु का बेटा कहकर भाई जैता जी को आशीर्वाद दिया। गुरु जी का पावन शीश कीरतपुर से नगर कीर्तन के रूप में श्री आनंदपुर साहिब पहुंचा, जहां उसका संस्कार किया गया। शहीदियों के दृश्य आते ही पंडाल में सन्नाटा छा गया। शो में भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी की शहादत को आग में जलते, आरे से चीरते और उबलते पानी में शहीद होते इन तीनों महापुरुषों के दृश्य देखकर संगत भावुक हो गई। कार्यक्रम में पार्षद संजय डालमिया मुख्य अतिथि रहे। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व मेंबर सुखसागर सिंह ने सभी कलाकारों को सरोपा दे कर सन्मानित किया। मंच संचालन दादार सिंह ने किया। शो के दौरान पीएफ कमिश्नर सरदार गुरुदेव सिंह खास मेहमान के तौर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान दलजिंदर सिंह,, जीत सिंह, अमितजीत सिंह, तेज सिंह, जीत सिंह बांगा, अमरजीत सिंह, संजीव सिंह, गुरदीप सिंह चावला, साहिल सिंह, हरजीत सिंह, बलबीर सिंह, दलजीत सिंह, कुलवंत सिंह राजू आदि मौजूद रहे। दर्शकों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि पंडाल छोटा पड़ गया। सैंकड़ों दर्शकों ने आसपास के घरों की छतों, गैलरीयों व इधर-उधर खड़े हो कर शो का आनंद लिया।

वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय नरेंद्र भारद्वाज की चौथी पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

नरेंद्र भारद्वाज एक दबंग पत्रकार के साथ अच्छे अध्यापक भी थे : विधायक विनोद भ्याना

राजधानी चौपाल

हांसी : वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय नरेंद्र भारद्वाज की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर गत शुक्रवार को स्थानीय एसडी महिला महाविद्यालय के सभागार में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मेडिकल जांच एवं फिजियोथैरेपी कैंप का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का संचालन मंगलम ब्लड बैंक, हांसी द्वारा किया गया, जबकि मेडिकल जांच कैंप में स्वास्थ्य सेवाएं आशीर्वाद अस्पताल, हांसी की टीम द्वारा उपलब्ध कराया। इसके साथ ही हीलिंग हैंड फिजियोथैरेपी द्वारा फिजियोथैरेपी कैंप भी लगाया गया। इस दौरान कार्यक्रम में विधायक विनोद भयाना पहुंचे। विधायक ने स्वर्गीय नरेंद्र भारद्वाज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक ने कहा कि नरेंद्र भारद्वाज एक दबंग पत्रकार के साथ अच्छे अध्यापक भी थे। उन्होंने कहा कि वह अपनी पत्रकारिता से सच्चाई की खबरें हमेंशा प्रकाशित करते थे। इस दौरान जेसीआई फोर्ट हांसी के प्रधान सर्वेश सैनी ने बताया कि रक्तदान एक महान मानवीय कार्य है और ऐसे आयोजनों से समाज में जागरूकता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना तथा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना है। यह आयोजन स्वर्गीय नरेन्द्र भारद्वाज की स्मृति को समर्पित है, जिन्होंने हमेशा समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता दी। शिविर के दौरान शहर की तमाम गणमान्य लोग उपस्थित हुए, वहीं एसडीएम राजेश खोथ ने कार्यक्रम में शिरकत की और स्वर्गीय नरेंद्र भारद्वाज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। एसडीएम ने इस अवसर पर स्वर्गीय नरेंद्र भारद्वाज को श्रद्धा भाव अर्पित करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और रक्तदाता समाज के असली हीरो हैं चूंकि रक्तदाताओं की बदौलत हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाले तथा जानलेवा बीमारियों से ग्रस्त लोगों की जान बचा ली जाती है। हमें रक्तदाताओं पर गर्व है चूंकि वह अपने शरीर से रक्तदान कर दूसरों की जान बचाने का काम करते हैं। उनका यह कार्य समाज में प्रेरणा का स्त्रोत साबित हो रहा है आजकल जहा कहीं भी रक्तदान शिविर लगाया जाता है वहा युवा बढ़ चढ़ कर रक्तदान कर रहे हैं। जो समाज में आपसी मजबूत भाईचारे की भावना को दर्शाता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों व अन्य गणमान्य लोगों का पटका पहनाकर स्वागत किया गया और रक्तदाताओं का बेज लगाकर सम्मानित किया। रक्तदान शिविर में 100 से अधिक युवाओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं ने शानदार नृत्य की प्रस्तुति देकर उपस्थित दर्शकों का मन मोहा और दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। इस अवसर पर शहर के विधायक विनोद भयाना, एसडीएम राजेश खोथ, एसडीएम कालांवाली मोहित महराणा, एसडीएम जितेंद्र अहलावत की पत्नी जयोति अहलावत, पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, हांसी डीएसपी विनोद शंकर, शहर थाना प्रभारी सुखजीत, सदर थाना प्रभारी सुमेर, नारनौंद थाना प्रभारी सदानंद, हिंदू महासभा प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल सिवाच, केसी फार्म मालिक कृष्ण अनिपुरा, राहुल मक्कड, सुमन शर्मा, हिसार सिंचाई विभाग एसई सुनील वर्मा, हरपाल बूरा, जयसिंह पाली, पूर्व डीईओ सुभाष वर्मा, विष्णु शर्मा, सुरजीत गुर्जर मार्केट वाइस चेयरमैन, ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर मनोज कुमार, आप नेता राजेंद्र सोरखी, नप चेयरमैन प्रवीन ऐलावादी, नप डिप्टी चेयरमैन अनिल बंसल, श्याम मित्र मंडल प्रधान जगदीश मितल, डाक्टर लवकेश टुटेजा, सर्व कर्मचारी संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, अशोक यादव, राजेश शर्मा, संदीप पूनिया, तेलु राम जांगड़ा अनिल चावला सहित, तेलु राम जांगड़ा, विकास नुनाच,मंजू पांचाल कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

pdf -2_pdf page.qxd 01-Jan-26 3:03 PM Page 5

हरियाणा में 'न्यायपक्ष पार्टी' के गठन की घोषणा

हमारी पार्टी पहले जनता के द्वारा चुने गए ईमानदार और स्वच्छ छवि के नेताओं को पार्टी का प्रत्याशी बनाएगी : मास्टर हरि सिंह

-राजधानी चौपाल-

हिसार : हरियाणा के मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सलाहकार मास्टर हरि सिंह ने गुरुवार हिसार में नए राजनीतिक दल न्यायपक्ष पार्टी के स्थापना की घोषणा की। पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी पहले जनता के द्वारा चुने गए ईमानदार और स्वच्छ छवि के नेताओं को पार्टी का प्रत्याशी बनाएगी। उन्होंने कहा कि हालांकि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है परंतु यहां वंशवाद, पूंजीवाद और राजनीतिक दलों की तानाशाही के कारण अच्छे लोग राजनीति से दूर होते जा रहे हैं। बिहार के चुनाव ने बता दिया है कि लोग वंशवाद के खिलाफ है। नई पार्टी पूरे हरियाणा में अभियान चलाएगी और 23 जनवरी को हिसार में एक बहुत बड़ी रैली आयोजित की जाएगी जिसमें लगभग पांच लाख लोग भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि पूंजीवाद, भ्रष्टाचार, तानाशाही और परिवारवाद लोकतंत्र में ऐसे विकार हैं जिन्हें केवल विचार शक्ति के द्वारा जीता जा सकता है। शिक्षित युवा पीढ़ी अब वंशवाद और तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करेगी। हम गांव गांव जाएंगे और उपेक्षित समाजसेवियों और निस्वार्थ नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करके चुनाव लड़ेंगे। अब वैचारिक क्रांति का समय आ चुका है और हमें पूंजीवाद के खिलाफ जनता को जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि देश में व्यक्तिवाद हावी होता जा रहा है। हमारे प्रजातंत्र की हालत राजतंत्र की तरह से है। देश की सत्ता पर गिने चुने लोगों का अधिकार है। हमारे देश का मूल मंत्र पंच परमेश्वर का है न कि राजतंत्र की तानाशाही। हरियाणा में भी जनता वंशवाद को नकार चुकी है। इस अवसर पर स्वामी नित्यानंद ने भी मास्टर हरि सिंह की घोषणा का समर्थन किया और कहा कि देश को इस समय ऐसी ही राजनीतिक पार्टी की जरूरत है जो की वंशवाद, तानाशाही, व्यक्तिवाद और पूंजीवाद के विरुद्ध वोट खड़ी हो जाए। नई पार्टी आज से ही जन अभियान शुरू कर देगी और लोगों के बीच में जाकर 23 जनवरी को हिसार में होने वाली रैली सफल बनाने की अपील करेगी। पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष रणदीप सिंह लोहचब ने युवा शक्ति को जोड़ने का काम शुरू किया हुआ है।

> हम सब प्रचारक मिल कर एक वर्ष तक पूरे प्रदेश के हर गांव शहर में जनसभाएं करेंगे। पार्टी के विचार से जनता को जोड़ेंगे। पार्टी के सदस्य बनाएंगे, पंच पार्षदों से मिलेंगे, राजनीति से अलग थलग परिवारों को राजनीति की मुख्य धारा में लाएंगे। अगले साल 23 जनवरी 2027 को नेता जी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस 'पराक्रम दिवस' पर हिसार में पांच लाख नागरिकों का 'न्याय सम्मेलन' आयोजित करेंगे। सम्मेलन में न्यायपक्ष पार्टी न्याय और लोककल्याण की अभूतपूर्व घोषणाएं करेगी, न्यायपक्ष पार्टी की सरकार बनने पर हिसार महम, जींद भिवानी के बीच हरियाणा प्रदेश की नई राजधानी बनाने के संकल्प के साथ घोषणा होगी।

पार्टी का सिद्धान्त : न्यायपक्ष पार्टी हरियाणा में जनता द्वारा पार्टी प्रत्याशी चयन का करेगी, क्षेत्र में सभी वर्तमान एवं पूर्व पंच/पार्षद के मत तथा न्यायपक्ष पार्टी के सदस्यों के मत से न्यायपक्ष पार्टी के प्रत्याशी का चयन होगा। न्यायपक्ष पार्टी, राष्ट्रीय राजनीतिक दल, की स्थापना देश में संपूर्ण लोकतंत्र के लिए, राजनीति में वंशवाद दलों में टिकट बांट की तानाशाही के विकारों को समाप्त करने हेतु राजनीतिक दलों में 'जनता द्वारा पार्टी प्रत्याशी का चयन हो' का संसद में कानून बनाने के उद्देश्य से की गई है। आज देश की राजनीति में वंशवाद और दलों की तानाशाही दो बड़े विकार हैं, जो लोकतंत्र पर ग्रहण हैं। सज्जन पुरुष की राजनीति में निष्क्रियता और दुर्जन पुरुष की सक्रियता बढ़ रही हैं, देश में कुछ परिवारों का राजनीति पर कब्जा है, जिनकी पीढ़ियां राजनीति और सत्ता में बनी रहती हैं, इसी का नाम वंशवाद है, यह हमारे लोकतंत्र का पहला विकार है, दूसरा विकार राजनीतिक दलों की तानाशाही है, देश के कानून में दलों को टिकट देने का अधिकार है, दलों के नेता अपने चहेतों को टिकट देकर, अपना दबदबा बनाते हैं, टिकट पाने वाले कार्यकर्ता उस नेता की खुशामद करते हैं, अपने स्वाभिमान और जमीर को मारकर टिकट मांगते हैं, आवेदन करते हैं, साधनहीन लोग चुनाव लड़ने से वंचित रहते हैं, यदि यह दोष खत्म करके टिकट देने का अधिकार जनता को दें दिया जाए तो कोई भी जनता के बीच रहने वाला व्यक्ति जिसे लोग खूब जानते हैं, पसंद करते हैं,वह जनता द्वारा प्रत्याशी चुना जाएगा, जो टिकट दलों के नेता देते हैं वह जनता देगी तो जनता की पसंद के लोग राजनीति में आगे आएंगे लोगों का दर्द मिटाएंगे, यह विचार हमारी युवा पीढ़ी के लिए वरदान सिद्ध होगा, युवकों को आगे राजनीति तथा सत्ता मे पहुंचने का अवसर प्राप्त होगा। इस प्रक्रिया में दल व्यक्ति के सहारे न चलकर विचार के सहारे चलेंगे, दल की नीतियों सिद्धांतों को देखकर मतदाता दलों के समर्थक बनेंगे, वोटर लिस्ट में हर मतदाता के नाम के साथ उसकी पसंद की पार्टी का नाम दर्ज होगा,जनता अपनी अपनी पसंद की पार्टी से जुड़ेगी, चुनाव आयोग चुनाव से पहले हर पार्टी के प्रत्याशी का चुनाव करवाएगा, एक क्षेत्र में सभी पार्टियों के कई कई लोग अपनी पार्टी के रजिस्टर्ड वोटर से समर्थन जुटाएंगे, जिसके सबसे अधिक वोट होंगे, उसे चुनाव आयोग उस पार्टी का प्रत्याशी घोषित करेगा, इस विधि में नेताशाह कहीं नहीं होगा केवल विचार पर पार्टियां बनेंगी।

गैलेक्सी प्रीप्रेटरी स्कूल में डॉ. सचिन मित्तल एडवांस डेंटिस्ट्री टीम ने लगाया निशुल्क दंत जांच कैंप

-राजधानी चौपाल-

हिसार : स्माइल फॉर यूथ कार्यक्रम के तहत डॉ सचिन मित्तल एडवांस डेंटिस्ट्री टीम ने कैमरी स्कूल स्थित गैलेक्सी प्रीप्रेटरी स्कूल में दो दिवसीय निशुल्क डेंटल चैकअप एवं जागरुकता कैंप लगाया। कैंप में डॉ सचिन मित्तल एडवांस डेंटिस्ट्री की टीम से डॉ दीक्षा शर्मा, डॉ मनीष और अभिषेक पांडे ने बच्चों के दंत स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें टुथब्रश करने का तरीका समझाया। इस दौरान करीब 600 बच्चों की मौखिक स्वास्थ्य की जांच एआई रोबोट द्वारा की गई। स्कूल प्रिंसीपल मिस साक्षी पायल ने डेंटल चिकित्सा टीम के अभियान की सराहना की। इस अवसर पर दंत चिकित्सक ने जागरूक करते हुए कहा कि कम उम्र ही बच्चों में स्वस्थ आदतें विकसित करनी चाहिए ताकि भविष्य में दांतों संबंधी किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। शिविर का उद्देश्य दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना है। डॉ सचिन मित्तल ने बताया कि दंत जांच के प्रति निशुल्क जागरूकता शिविर समय समय पर लगाए जाते हैं।

छाजूराम मैमोरियल जाट कॉलेज में 160वें सेठ छाजूराम जयंती समारोह का आयोजन 29 नवंबर को

राजधानी चौपाल, हिसार छाजूराम मैमोरियल जाट कॉलेज परिसर में 160वें सेठ छाजूराम जयंती समारोह का आयोजन शनिवार 29 नवंबर को होगा। जानकारी देते हुए जाट शिक्षण संस्था के प्रधान दिलदार पूनिया ने बताया कि जाट एजुकेशनल सोसाइटी हिसार के अंतर्गत आने वाले सभी शिक्षण संस्थान के संयुक्त सौजन्य से इस कार्यक्रम का आयोजन होगा। जयंती समारोह में हरियाणा सरकार में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा भाजपा के महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया द्वारा की जाएगी। नलवा के विधायक रणधीर पनिहार अति विशिष्ट अतिथि एवं शहर के मेयर प्रवीण पोपली तथा जिला परिषद के चेयरमैन सोनू सिहाग विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। छाजूराम मैमोरियल जाट महाविद्यालय के प्राचार्य सुरेन्द्र कुमार बाजिया ने बताया कि कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी तथा मुख्य अतिथि महिपाल ढांडा जाट महाविद्यालय के कुलगीत का प्रमोचन करेंगे। महाविद्यालय ने कार्यक्रम से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

ज्ञान विज्ञान समिति ने संविधान दिवस मनाया

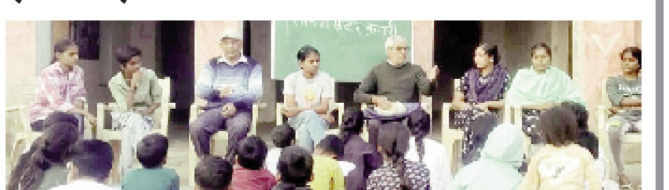

-राजधानी चौपाल-

हिसार : लर्निंग सेंटर, गांव कंवारी में युवाओं और बच्चों के बीच संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति, हिसार के जिला सचिव रमेश चंद्र ने संविधान बनने की प्रक्रिया व महत्व पर बातचीत रखी। उन्होंने कहा कि हमारा देश अलग अलग भाषाओं व संस्कृतियों का देश है संविधान कीताकत से ही पूरा देश एक है। जिला कार्यकारिणी सदस्य डॉ धर्म सिंह व सुनील लोट ने भी अपने विचार देते हुए कहा कि हम सब को संविधान का सम्मान करना चाहिए। इस कार्यक्रम में अन्नु रंगा, मुस्कान, मोनिका, पायल, किट्टू व बहुत से बच्चे शामिल रहे।

एचकेएसडी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गणित व विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन

-राजधानी चौपाल-

हिसार : नागोरी गेट स्थित एचकेएसडी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गणित व विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कक्षा पांचवी से आठवीं कक्षा तक के गणित प्रश्नोत्तरी में विवेकानंद सदन प्रथम रहा। कक्षा छठी से कक्षा दसवीं तक की विज्ञान प्रतियोगिता में कबीर सदन व रानी लक्ष्मीबाई सदन संयुक्त रुप से विजेता रहे।

शिक्षा विभाग का खंड स्तरीय मिशन बुनियाद सेमिनार आयोजित, 350

-राजधानी चौपाल-

बरवाला। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नहर कोठी में सोमवार को मिशन बुनियाद और हरियाणा सुपर 100 का ब्लॉक-स्तरीय कैंपेन सेमिनार हुआ। इसमें ब्लॉक के विद्यालयों ने सक्रिय भागीदारी की। सेमिनार में 350 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। प्रत्येक विद्यालय से कक्षा 8वीं तथा 10वीं के तीन-तीन विद्यार्थी सम्मिलित हुए। साथ ही सभी विद्यालयों से एक-एक टीजीटी शिक्षक भी उपस्थित रहे। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों को मिशन बुनियाद और हरियाणा सुपर 100 की पंजीकरण प्रक्रिया, परीक्षा तिथियों तथा कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी मनोज गुप्ता ने कहा कि मिशन बुनियाद के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रारम्भ हो चुका है, जिसकी अंतिम तिथि 16 दिसंबर है तथा इसकी परीक्षा 24 दिसंबर को आयोजित होगी। हरियाणा सुपर 100 के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 9 फरवरी तथा परीक्षा 11 फरवरी को निर्धारित की गई है। दोनों कार्यक्रमों में उन्हीं विद्यार्थियों के पंजीकरण पर जोर दिया गया है जो 60 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि हरियाणा सुपर 100 के माध्यम से अब तक 100 से अधिक विद्यार्थी आईआईटी में प्रवेश पा चुके हैं। साथ ही मिशन बुनियाद का रेजिडेंशियल प्रोग्राम भी प्रारंभ हो चुका है जिसमें चयनित विद्यार्थी हिसार और कुरुक्षेत्र में हॉस्टलों में रहकर पढ़ाई करेंगे। बीईओ मनोज गुप्ता ने कहा कि यह परीक्षा केवल मिशन बुनियाद और हरियाणा सुपर 100 में प्रवेश के लिए ही नहीं है, बल्कि इससे विद्यार्थियों के गणितीय कौशल, तार्किक क्षमता तथा उनकी विषयगत रुचि का आकलन भी किया जाएगा। साथ ही यह परीक्षा विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी माहौल से रूबरू कराने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे वे आगे होने वाली राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए तैयार हो सकें। इस अवसर पर प्रदीप सनसनवाल, जिला साइंस विशेषज्ञ नवीन ऐलावादी, विद्यालय इंचार्ज विक्रम गोयल आदि उपस्थित रहे।

राजली में लगा कैंप, 95 ने किया रक्तदान

-राजधानी चौपाल-

हिसार : गांव राजली स्थित कन्या हाई स्कूल में रविवार को खुशी मोहम्मद की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्यातिथि के तौर पर शिक्षाविद् राजकुमार जांगड़ा ने शिरकत की। अध्यक्षता रोहित वर्मा ने की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर सलीम सुलखनी व तेजवीर पूनिया मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन सरदानंद राजली ने किया। रक्तदान शिविर में 95 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिसमें महिलाओं ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सेदारी की। अपने संबोधन में मुख्यातिथि राजकुमार जांगड़ा ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी

सेवा है, जिसका कोई विकल्प नहीं है। ब्लड डोनर ग्रुप हरियाणा के संस्थापक रक्तदाता सरदानंद राजली ने कहा कि खुशी मोहम्मद सीआरपीएफ में तैनात फूलदीन फौजी के सुपुत्र थे। खुशी मोहम्मद का एक सड़क हादसे में निधन हो गया था उनकी याद में रक्तदान शिविर लगाया गया है। शिविर में सरपंच सुनीता देवी, पूजा, कृष्णा देवी व सुमन देवी सहित अन्य महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस मौके पर फूलदीन फौजी, रेनु, साइना, प्यारे लाल, बलवंत सिंह, धीरा, सरपंच प्रतिनिधि वजीर सिंह

किसान-मजदूर संगठनों ने सरकार के इस्तीफे की मांग को लेकर सीएम का पूतला फूंका

-राजधानी चौपाल-

बरवाला। अखिल भारतीय किसान सभा व अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन की बरवाला व उकलाना तहसील की संयुक्त बैठक मा. फूल सिंह पाबड़ा व मा. कर्मवीर जलंधरा की अध्यक्षता में किसान विश्राम गृह में हुई। मंच संचालन खेत मजदूर यूनियन के जिला प्रधान डा. मियां सिंह बिठमड़ा ने किया। बैठक को संबोधित करते हुये किसान सभा के जिला सचिव सरबत सिंह पूनिया व खेत मजदूर यूनियन के जिला सचिव रोहतास राजली ने कहा कि लंबे समय से समस्याओं का समाधान नहीं होने के चलते प्रदेश के किसानों व मजदूरों में भारी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर प्रदेश स्तरीय विरोध प्रदर्शन 26 नवंबर को हिसार में किया जाएगा। आने वाले समय में किसान व मजदूर बड़ा आंदोलन करेंगे। किसानों ने इस दौरान प्रदेश में वोट चोरी से बनी फर्जी सरकार बनाने का आरोप लगाते हुए पुतला फूंका व मुख्यमंत्री नायब सैनी के इस्तीफे की मांग की। इस मौके पर डा. मिया सिंह बिठमड़ा, मा. फूल सिंह, कर्मवीर जलंधरा, प्रदीप बूरा, श्रवण कुमार, कर्मवीर गोड़िया, मा. पृथ्वी सिंह, ओमप्रकाश ढाणी खान बहादुर, बलबीर नंबरदार, ओमप्रकाश कूंडू आदि मौजूद रहे।

बीड़ बबरान धाम के ग्यारहवें ताली कीर्तन में उमड़े श्रद्धालु

-राजधानी चौपाल-

हिसार : बीड़ बबरान धाम द्वारा भक्तों को श्याम बाबा की महिमा से साक्षात्कार करवाने के उद्देश्य से शुरू किए गए ताली कीर्तन की श्रृंखला में टिब्बा दानाशेर स्थित राजीव नगर में ग्यारहवें निशुल्क ताली कीर्तन का आयोजन पूरी श्रद्धा के साथ किया गया। इस ताली कीर्तन में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और ताली बजाते हुए श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। ताली कीर्तन के लिए श्याम बाबा के दरबार को सजाकर भव्य स्वरूप दिया गया। इसके साथ ही बीड़ बबरान धाम की अखंड ज्योति को भी दरबार में शोभायमान किया गया। भक्तगण श्याम बाबा दरबार व अखंड ज्योति के दर्शन करके भावविभोर हो गए। इस अवसर पर बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा ने श्याम बाबा व अन्य देवी-देवताओं की आराधना करते हुए विधि-विधान से ताली कीर्तन की शुरुआत की। विनय शर्मा ने जब भगत बुलाएं और श्याम ना आए ऐसा कैसे हो जाए, वो देखो मेरा श्याम आ गया भजन गाया तो श्रद्धालु भक्तिभाव में डूबकर अभिभूत हो गए। बहुत से श्रद्धालु झूमने व नाचने भी लगे। हारमोनियम व ढोलक की थाप से सुर मिलाते हुए श्याम बाबा व अन्य देवी-देवताओं के भजन गाकर गायकों ने समां बांध दिया। इस दौरान श्याम बाबा की जय, खाटू नरेश की जय और बीड़ बबरान धाम की जय से पूरा पंडाल गुंजायमान हो उठा। ताली कीर्तन में महाराज मयूर शर्मा की भी विशेष सेवा रही। विनय शर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं की आस्था देखते हुए निशुल्क ताली कीर्तन की शुरुआत की गई है।

ऑपरेशन टैकडाउन : 3066 कुख्यात अपराधियों को जेल भेजा, दिसंबर में 'हॉटस्पॉट डोमिनेशन' अभियान की तैयारी

-राजधानी चौपाल-

चंडीगढ़ : हरियाणा पुलिस के ऑपरेशन टैकडाउन ने पिछले तीन सप्ताह में अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 3066 कुख्यात अपराधियों को जेल भेजा है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओपी सिंह ने 5 से 27 नवंबर के बीच चले इस अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है और आम जनता को राहत पहुंचाई है।

तीन हफ्ते में बड़ी कामयाबी

डीजीपी ओपी सिंह ने चौकी इंचार्ज से लेकर रेंज स्तर तक के सभी अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान बेहद सफल रहा है। सैकड़ों अपराधियों के खिलाफ गुडवाली धारा (गुंडा एक्ट) लगाई गई है, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली है।

पुलिस प्रमुख ने अधिकारियों से कहा कि जेल से रिहा होने वाले अपराधियों पर कड़ी नजर रखी जाए। 'जेलों से तालमेल रखें। ये तय करें कि वे वहां से दोबारा शुरू ना हो जाएं,' उन्होंने निर्देश दिए।

बेल पर रिहा अपराधियों पर सख्ती

जो अपराधी इस अवधि में जेल से बेल पर रिहा हुए हैं, उनकी विशेष निगरानी के आदेश दिए गए हैं। पुलिस को सुनिश्चित करना है कि वे बेल की शर्तों का पालन करें।'जो भी दोबारा नाखून-दांत दिखाए, उसकी बेल कैंसिल कराकर दोबारा जेल ठोंक दो। उनके बेल लेने वालों की भी खबर लो,' डीजीपी ने सख्त निर्देश दिए।

> **दिसंबर में 'हॉटस्पॉट डोमिनेशन' अभियान**
>
> डीजीपी ओपी सिंह ने घोषणा की कि दिसंबर महीने में 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' चलाया जाएगा। अक्सर शिकायत आती है कि गांव-गांव, शहर-शहर में नशेड़ी, जुआरी, सट्टोरियों और आवारागर्दों के अड्डे हैं। 'ऐसे अड्डों में कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाएं, सवेरे-शाम गस्त भेजें, सिविल प्रशासन को वहां साफ-सफाई के लिए कहें,' पुलिस प्रमुख ने निर्देश दिए। अंधेरे रास्तों में, जहां से महिलाओं का आना-जाना होता है, लाइट लगवाने और गश्त भेजने के आदेश दिए गए हैं।

312 फरार अपराधियों की तलाश

अभी भी 312 चिन्हित अपराधी फरार हैं, जिन्हें फौरन गिरफ्तार करने के निर्देश दिए गए हैं। इनकी सूची बगल के राज्यों की पुलिस से साझा की जा रही है। इन अपराधियों के फोटो सर्कुलेट कर जिले के एसपी लोगों से उनके ठिकानों की सूचना देने का आग्रह कर रहे हैं। इसके साथ ही इन फरारों के खिलाफ पी.ओ. घोषित करने और लुकआउट नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। कुख्यात अपराधियों के तार विदेश से जुड़े होते हैं, इसलिए सबका पासपोर्ट रद्द कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

> **सर्दियों में जरूरतमंदों की मदद**
>
> *डीजीपी ओपी सिंह ने अधिकारियों से अपील की है कि सर्दी का मौसम है और हर किसी के पास घर-कंबल नहीं होता। 'ऐसे लोगों की सहायता करने को उद्यत रहें। दोनों के बीच संपर्क स्थापित करें। सरकार की भी योजनाएं हैं, इनको उससे भी जोड़ें।'*
>
> *उन्होंने संकल्प लेने को कहा कि 'आपके इलाके में कोई सर्दी से ना ठिठुरे, भूखा ना सोए।'*

करोड़ों की संपत्ति की जब्ती

अपराधियों की करोड़ों की कालाधन संपत्ति की सूची तैयार की गई है। इनके नाजायज कब्जों को प्रक्रिया के अनुसार ढहाने में सिविल प्रशासन की सहायता ली जा रही है। पुलिस ने अपराधियों की हिस्ट्रीशीट अप-टू-डेट करने और गश्त के दौरान उनकी नियमित चेकिंग के निर्देश दिए हैं।

हकृवि में इस माह विभिन्न प्रशिक्षण होंगे आयोजित

राजधानी चौपाल, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में दिसंबर मास के दौरान मधुमक्खी पालन, फैशन/सरफेस डिजाइनिंग तथा मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए प्रशिक्षण संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में 1 से 7 दिसंबर तक मधुमक्खी पालन, 11 से 14 दिसंबर तक मशरूम उत्पादन तकनीक तथा 11 से 17 दिसंबर तक फैशन सरफेस/डिजाइनिंग (केवल महिलाओं के लिए) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के किसी भी वर्ग, आयु, शैक्षणिक योग्यता के इच्छुक महिला या पुरुष इस प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। यह प्रशिक्षण बिल्कुल निशुल्क है और प्रशिक्षण में पूरी अवधि में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा क्योंकि प्रशिक्षण की सीटें सीमित संख्या में उपलब्ध हैं।

pdf -2_pdf page.qxd 01-Jan-26 3:03 PM Page 6

हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने एक वर्ष में निपटाई 5,610 शिकायतें, मानवाधिकार संरक्षण में स्थापित किए नए मानक

राजधानी चौपाल

चंडीगढ़ : हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने पिछले एक वर्ष में मानवाधिकारों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। आयोग ने न केवल हजारों शिकायतों का निपटारा किया है, बल्कि समाज के कमजोर और हाशिए पर खड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय पहल भी की है।

हरियाणा मानवाधिकार आयोग का पुनर्गठन 27 नवंबर 2024 को मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के तहत किया गया था। पुनर्गठन के बाद माननीय न्यायमूर्ति ललित बत्रा ने अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला, जबकि माननीय सदस्य (न्यायिक) श्री कुलदीप जैन और माननीय सदस्य श्री दीप भाटिया ने भी अपनी जिम्मेदारियां संभालीं। आयोग के नेतृत्व ने समर्पण, प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ मानवाधिकार उल्लंघन से संबंधित शिकायतों के निपटारे में उल्लेखनीय प्रगति की है।

रजिस्ट्रार (न्यायिक) संजय कुमार खंडूजा के अनुसार, पुनर्गठन के समय आयोग के पास 2,991 लंबित शिकायतें थीं। 27 नवंबर 2024 से 23 दिसंबर 2025 के बीच 3,632 नई शिकायतें दर्ज की गईं, जिससे कुल मामलों की संख्या 6,623 हो गई। संगठित, समन्वित और निरंतर प्रयासों के माध्यम से आयोग ने इस अवधि में 5,610 शिकायतों का निपटारा किया, जिसमें प्रति माह औसतन 468 मामलों का निपटारा हुआ। इस रिपोर्ट के दाखिल होने के समय केवल 1,013 शिकायतें लंबित हैं। यह उपलब्धि आयोग और इसके कर्मचारियों की दक्षता, समर्पण और अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन से जुड़े मामलों में हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने केवल प्राप्त शिकायतों तक खुद को सीमित नहीं रखा। न्यायमूर्ति ललित बत्रा के सक्षम नेतृत्व और कुलदीप जैन तथा दीप भाटिया के मार्गदर्शन में आयोग ने सक्रिय और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया और 27 नवंबर 2024 से 23 दिसंबर 2025 के बीच 20 मामलों में स्वतः संज्ञान लिया।

इन प्रमुख मामलों में सफीदों से पानीपत तक खतरनाक रूप से जर्जर सड़कों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई, जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही थीं। हिसार के मुख्य डाकघर में आधार पंजीकरण केंद्र में महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए शिशु-अनुकूल सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया गया। शाहबाद में एक 14 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार के गंभीर मामले में आयोग ने उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक, कुरुक्षेत्र से रिपोर्ट मांगी।

अंबाला के शिवालिक कॉलोनी में 13 वर्षों से अधिक समय से सार्वजनिक पार्कों की उपेक्षा, सोनीपत के जिंदाल ग्लोबल विश्वविद्यालय में रैगिंग की घटनाओं, रोहतक के सिरटार में विशेष रूप से सक्षम बच्चों की गंभीर उपेक्षा, और चिंतेल्स पैराडिसो घटना के बाद गुरुग्राम नगर निगम की निष्क्रियता पर कड़ी आलोचना जैसे मामलों में भी आयोग ने हस्तक्षेप किया। आयोग ने अपहरण और लापता व्यक्तियों के बढ़ते मामलों पर डीजीपी हरियाणा से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। हरियाणा की जेलों में स्वचालित पैरोल प्रणाली लागू करने की सिफारिश की गई। गुरुग्राम में एक परित्यक्त बुजुर्ग दंपति के लिए तत्काल चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक देखभाल के निर्देश दिए गए। स्कूल भवनों के ऊपर से गुजरने वाली उच्च-तनाव बिजली लाइनों को हटाने के आदेश दिए गए।

एक विशेष रूप से सक्षम व्यक्ति के साथ हिरासत में दुर्व्यवहार के लिए पुलिस कर्मियों पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। नूह अस्पताल में प्रसव के दौरान नवजात शिशु की बांह कटने की घटना का स्वतः संज्ञान लिया गया। करनाल में एक ट्रांसजेंडर शिक्षक के साथ भेदभाव के मामले में संज्ञान लिया गया। दुर्घटना में घायल हुए 15 वर्षीय बंधुआ मजदूर के मुआवजे और पुनर्वास के निर्देश दिए गए।

जींद के सौरभ गर्ग की अनुकरणीय वीरता के लिए मरणोपरांत मान्यता के निर्देश दिए गए। अंबाला जेल से एक विचाराधीन कैदी के भागने के बाद जेल सुरक्षा की समीक्षा की गई। हिरासत में यातना के कथित मामलों में रिपोर्ट मांगी गई। ऊंची इमारतों के लिए अग्नि-सुरक्षा उपकरणों की खरीद में देरी पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। पानीपत में बिजली के झटके से एक नाबालिग की मौत के मामलों में रिपोर्ट मांगी गई। हांसी में सेप्टिक टैंक में प्रवेश करने के लिए मजबूर दो स्वच्छता कर्मियों की मौत का संज्ञान लिया गया। पंचकुला में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी गई।

इन सभी मामलों में आयोग ने संबंधित विभागों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने और समयबद्ध सुधारात्मक और निवारक उपायों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। न्याय को लोगों के करीब लाने के लिए आयोग ने गुरुग्राम के नए पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में द्विमासिक कैंप कोर्ट शुरू किए। 27 नवंबर 2024 से 23 दिसंबर 2025 तक कैंप कोर्ट में 459 शिकायतें सुनी गईं, जिनमें से 168 का निपटारा किया गया। यह पहल पीड़ितों को त्वरित न्याय देने में एक मील का पत्थर साबित हुई।

रजिस्ट्रार (कानून और कानूनी) श्री रवि कुमार सोंधी के अनुसार, हरियाणा मानवाधिकार आयोग अदालत कक्ष से परे अपनी भूमिका का विस्तार करने और समाज के हर कोने तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में माननीय अध्यक्ष और सदस्यों ने कैदियों की रहने की स्थितियों की समीक्षा करने के लिए विभिन्न जिला जेलों का निरीक्षण किया। आयोग ने वृद्धाश्रमों, महिला आश्रय गृहों और अनाथालयों का भी दौरा किया।

विश्व विकलांगता दिवस के अवसर पर 3 दिसंबर 2025 को कल्पना चावला सरकारी मेडिकल कॉलेज, करनाल में एक राज्य स्तरीय संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें गैर सरकारी संगठनों, रेड क्रॉस, विशेष रूप से सक्षम बच्चों और समाज के प्रतिष्ठित सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अलावा, जनता के बीच मानवाधिकार साक्षरता और जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोग ने 17 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक ब्रह्म सरोवर, कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 के दौरान एक जागरूकता शिविर आयोजित किया, जहां जनता को आयोग की भूमिका और इसके शिकायत निवारण तंत्र के बारे में समझाया गया।

हरियाणा मानवाधिकार आयोग के सहायक रजिस्ट्रार डॉ. पुनीत अरोड़ा ने कहा कि माननीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति ललित बत्रा ने इस बात पर जोर दिया है कि समाज के कमजोर, असुरक्षित और हाशिए पर खड़े वर्गों के मानवाधिकारों की रक्षा आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। माननीय सदस्य श्री कुलदीप जैन और श्री दीप भाटिया ने भी मानवाधिकारों के प्रभावी संरक्षण और संवर्धन के लिए आयोग की अटूट प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

2026 की ओर देखते हुए, हरियाणा मानवाधिकार आयोग हर स्तर पर मानवीय गरिमा, न्याय और समानता की रक्षा करते हुए प्रत्येक मानवाधिकार शिकायत के निष्पक्ष, त्वरित और प्रभावी निपटान को सुनिश्चित करने के लिए नई ऊर्जा, मजबूत दृष्टि और नए संकल्प के साथ काम करेगा।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में लुवास का ओरिएंटेशन कार्यक्रम

राजधानी चौपाल

हिसार : लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार के कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस के सहयोग से इंडियन नॉलेज सिस्टम (आई के एस) सेल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के प्रथम वर्ष बीवीएससी एवं एएच के विद्यार्थियों के लिए 29 दिसंबर 2025 को वेटरनरी सभागार में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन तथा कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस के अधिष्ठाता डॉ. मनोज रोज़ के निर्देशन में संपन्न हुआ। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान डॉ. अर्चना लोहिया ने लुवास के इंडियन नॉलेज सिस्टम्स (आई.के. एस.) सेल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह सेल माननीय कुलपति के दूरदर्शी नेतृत्व में स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध पारंपरिक ज्ञान परंपराओं–विशेषकर पशु चिकित्सा, पशुपालन एवं डेयरी विज्ञान–का संरक्षण, संवर्धन तथा आधुनिक विज्ञान से समन्वय करना है। उन्होंने यह भी बताया कि आई के एस सेल छात्रों को व्याख्यान, कार्यशालाओं, फील्ड विज़िट, एथ्नो-वेटरनरी प्रथाओं के दस्तावेज़ीकरण, सेमिनार एवं प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक पशु चिकित्सा के पूरक रूप में समझने का अवसर प्रदान करता है। यह पहल एन.ई.पी. 2020 के अनुरूप बहु विषयक, अनुभवात्मक एवं मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देती है। कार्यक्रम की शुरुआत में अधिष्ठाता डॉ. मनोज रोज़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि ओरिएंटेशन कार्यक्रम नए विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इससे विद्यार्थियों को कॉलेज, शैक्षणिक व्यवस्था, नियमों तथा आगे की पढ़ाई से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी आसानी से मिलती है, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई की शुरुआत कर सकें। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम इंडियन नॉलेज सिस्टम्स (आई के एस) सेल के अंतर्गत आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक ढांचे के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपराओं से भी परिचित कराना है, ताकि वे शुरुआत से ही परंपरा और आधुनिक विज्ञान के संतुलन को समझ सकें।

इस दौरान परीक्षा नियंत्रक डॉ. विजय जाधव ने परीक्षा प्रणाली, उपस्थिति नियम, आंतरिक मूल्यांकन और समय प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। डॉ. आर.एन. चौधरी ने पुस्तकालय की सुविधाओं और डिजिटल संसाधनों के उपयोग पर प्रकाश डाला। डॉ. सोनिया सिंधु ने लैंगिक संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न की रोकथाम विषय पर व्याख्यान दिया। सहायक छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. दिव्या अग्निहोत्री ने सांस्कृतिक और नाट्य गतिविधियों के महत्व को बताया। डॉ. सुमित महाजन ने छात्रावास के नियमों और अनुशासन के बारे में जानकारी दी। दोपहर में आयोजित विशेष सत्र में मुख्य वक्ता श्री कमल शर्राफ (प्रांत उपाध्यक्ष, सेवा भारती) जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नैतिक मूल्यों, अच्छे आचरण, आपसी भाईचारे और राष्ट्रभाव पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों और डिग्रियों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि जीवन में ईमानदारी, अनुशासन, समय की पाबंदी, कर्तव्यनिष्ठा और दूसरों के प्रति सम्मान जैसे गुणों को अपनाना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्पित रहने, निरंतर कठिन परिश्रम करने तथा समाज और देश के प्रति अपने दायित्वों को समझकर जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। श्री कमल ने भारतीय संस्कृति, संस्कारों और जीवन मूल्यों को सरल एवं प्रभावशाली उदाहरणों के माध्यम से समझाते हुए बताया कि ये मूल्य व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका प्रेरणादायक और सारगर्भित व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हुआ और कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। इसके बाद सहायक छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. यशवंत सिंह ने खेल गतिविधियों की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवन के महत्व पर जोर दिया। डॉ. नरेंद्र सिंह ने एनसीसी के माध्यम से अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के बारे में बताया। डॉ. राजेश कुमार और डॉ. अमनदीप सिंह ने विद्यार्थियों को कॉलेज और चिकित्सालय का भ्रमण कराया। अंत में डॉ. विशाल शर्मा और डॉ. संदीप के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को पशु फार्मों का भ्रमण कराया गया, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए डॉ. तरुण कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने विशेष रूप से मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रेरणादायक एवं मार्गदर्शक विचारों से विद्यार्थियों को शैक्षणिक जीवन की सही दिशा और उद्देश्य को समझने में महत्वपूर्ण सहायता मिली, जो उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम के सफल आयोजन में आई.के.एस. सेल के सदस्य डॉ. अर्चना लोहिया, डॉ. सुरभि गुप्ता, डॉ. ज्योत्सना, डॉ. प्रीति लखानी एवं डॉ. प्रियंका दुग्गल व अन्य वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. निलेश सिन्धु, डॉ अंकित कुमार व डॉ. अमनदीप ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सहायक जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विशाल शर्मा ने बताया कि इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, व्यावहारिक एवं सांस्कृतिक वातावरण से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि लुवास में आई.के.एस. सेल के अंतर्गत ऐसे कार्यक्रम आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय की समझ मिलती रहे।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खैरी के छात्रों ने राखीगढ़ी महोत्सव में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया

राजधानी चौपाल

हिसार : राखीगढ़ी महोत्सव में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खैरी के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस महोत्सव में विद्यालय के 61 विद्यार्थियों ने भाग लिया। महोत्सव के दौरान नृत्य एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के 8 विद्यार्थियों ने भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता में विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए जीएसएसएस खैरी ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में आरपीएस हांसी द्वितीय स्थान पर रहा। इस सफलता में ईशु, किरण एवं पूजा का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए विद्यालय की प्रतिष्ठा को ऊँचाइयों तक पहुँचाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य यशपाल मोर ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान शिक्षिकगण संतोष, दीपा, कृष्ण मलिक, सत्यवान शर्मा सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे और उनका उत्साहवर्धन किया।

जिला कांग्रेस कमेटी हिसार के कार्यालय से कुमारी सैलजा के होर्डिंग हटाने पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट मुकेश सैनी ने जताया रोष

राजधानी चौपाल

हिसार : जिला कांग्रेस कमेटी हिसार के कार्यालय में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव और देश के वंचितों और दलितों की सबसे बड़ी नेता कुमारी सैलजा के होर्डिंग हटाने पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट मुकेश सैनी ने गहरी नाराजगी एवं रोष व्यक्त करते हुए ग्रामीण जिला अध्यक्ष बृजलाल को नसीहत देते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्य कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष को शोभा नहीं देते और साथ ही यह राहुल गांधी द्वारा दिए गए सभी नेताओं का सम्मान और एकता के साथ चलने की मुहिम के संदेश का सरेआम उल्लंघन है। श्री मुकेश सैनी ने कहा कि ग्रामीण अध्यक्ष को यह याद रखना चाहिए कि कुमारी सैलजा हिसार की बेटी हैं जिन्होंने भारतीय राजनीति में अपने संघर्ष, स्वाभिमान, और ईमानदारी की राजनीति से हर पद पर रहते हुए देश की राजनीति में नेताओं के सामने एक मिसाल कायम की है। भारतीय संसद की 6 बार सदस्य रहते हुए उन्होंने अपने कार्य शैली से प्रेरणादाई नेतृत्व का उदाहरण नेताओं के सामने रखा है। प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस पार्टी के प्रति सबसे अधिक निष्ठा, समर्पण और त्याग की राजनीति के कई उदाहरण दिए हैं। प्रदेश की राजनीति में सभी राजनीतिक दलों में उनके व्यक्तित्व से उनका विशेष दर्जा है। उन्होंने कहा कि जिला कार्यालय से उनका होल्डिंग हटाकर जिला अध्यक्ष ने जो नया होर्डिंग लगाया है जिन सम्मानित नेताओं का उन्होंने फोटो लगाया है वह भी कुमारी शैलजा जी को राजनीति में अपनी बड़ी बहन मानते हैं। इस प्रकार की घिनौनी हरकत जिला अध्यक्ष को शोभा नहीं देती। कांग्रेस संगठन को एकजुट करके मजबूत करने की बजाय गुटबाजी को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं जो कि निंदनीय और गलत हैं। संगठन अभियान के तहत बनाए गए जिला अध्यक्ष को यह बात याद रखनी चाहिए कि उनके लिए पहले आदेश पार्टी का सभी नेताओं का सम्मान करना है। राहुल जी ने पहली बैठक में यही नसीहत का पाठ उन्हें पढ़ाया था और प्रदेश के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह जी ने भी सभी नेताओं का सम्मान रखते हुए उनका आदर देने की जो बात कही है। वह उस संकल्प से भी पीछे हट रहे हैं, जो सीधा अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। मुकेश सैनी ने कहा कि इस कार्यवाही के साथ जो भी लोग जुड़े हुए हैं उन्हें अपने निर्णय पर आत्म मंथन करते हुए खुद से माफी मांगनी चाहिए। पूर्व प्रवक्ता ने कहा कि इस संबंध में एक पत्र प्रदेश अध्यक्ष को भी लिखा जाएगा जिसमें पूरा विवरण, हटाए गए होर्डिंग के चित्र सहित उनको भेजा जाएगा। इस प्रकार की कार्यवाही नेता को अपमानित करने और पार्टी कार्यालय पर जबरन एक तरफ मन माफिक निर्णय कर होर्डिंग लगाकर कब्जा करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रही है। सैनी ने कहा कि हम सभी नेताओं का सम्मान करते हैं लेकिन जिस प्रकार हमारी नेता के स्वाभिमान के साथ उनके होर्डिंग को बदलने की कार्यवाही की गई है उसको बर्दाशत नहीं किया जाएगा। इस मूर्खतापूर्ण कार्य को अंजाम देने वाले लोगों पर कार्यवाही की मांग की जाएगी।

आस्था बनाम साँसें : कबूतर, कानून और हमारी सामूहिक गैर-जिम्मेदारी

-डेस्क-

भारत में आस्था अक्सर तर्क से बड़ी हो जाती है। यही कारण है कि यहाँ मंदिर के बाहर घंटियों की आवाज़ से ज़्यादा तेज़ कभी-कभी साँसों की घुटन होती है, लेकिन हम सुनना नहीं चाहते। मुंबई की एक अदालत का हालिया फैसला–जिसमें सार्वजनिक स्थान पर कबूतरों को दाना डालने पर 5000 रूपए का जुर्माना लगाया गया–इसी टकराव की एक स्पष्ट और साहसी मिसाल है। यह फैसला कबूतरों के खिलाफ नहीं, बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ है जो भावुकता के नाम पर विज्ञान, कानून और सार्वजनिक स्वास्थ्य को कुचल देती है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

हमारे समाज में कबूतरों को दाना डालना 'पुण्य' माना जाता है। सुबह-सुबह बालकनी, छत या पार्क में मुट्ठी भर दाना डालकर आत्मसंतोष पा लिया जाता है–मानो किसी बड़ी मानवता की सेवा हो गई हो। लेकिन सवाल यह है कि क्या बिना परिणाम समझे किया गया कर्म सच में दया कहलाता है? चिकित्सा विज्ञान लगातार चेतावनी देता रहा है कि कबूतरों की सूखी बीट हवा में घुलकर क्रिप्टोकोकोसिस, हिस्टोप्लास्मोसिस, हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस और साल्मोनेला जैसी जानलेवा बीमारियाँ फैला सकती है। ये बीमारियाँ कोई काल्पनिक डर नहीं हैं,

बल्कि अस्पतालों में भर्ती असली मरीज़ों की सच्ची कहानियाँ हैं। दमा, फेफड़ों के रोगी, बुज़ुर्ग और बच्चे–सबसे पहले इन्हीं की साँसें दांव पर लगती हैं। मुंबई की अदालत ने इस मामले को केवल नगर निगम के आदेश के उल्लंघन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे सीधे-सीधे जनस्वास्थ्य के लिए खतरा माना। IPC की धाराओं के तहत सज़ा यह संकेत देती है कि अब राज्य सिर्फ बीमारियों का इलाज नहीं करना चाहता, बल्कि बीमारी पैदा करने वाली सामाजिक आदतों को भी रोकना चाहता है। यह देश में पहली बार हुआ है कि कबूतरों को दाना डालने जैसे सामाजिक रूप से स्वीकृत कृत्य को अपराध की श्रेणी में रखा गया है। यह फैसला बताता है कि कानून अब भावनाओं से नहीं, उनके प्रभावों से संवाद करेगा। इस पूरे विवाद में सबसे असहज सवाल धर्म और परंपरा से जुड़ा है। कुछ लोग इसे आस्था पर हमला बता रहे हैं, लेकिन क्या धर्म कभी बीमारी फैलाने की अनुमति देता है? क्या किसी भी धार्मिक ग्रंथ में यह लिखा है कि पुण्य कमाने के लिए दूसरों की जान जोखिम में डाल दी जाए? खुद सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियाँ साफ़ कह चुकी हैं कि कबूतरों को दाना खिलाना कोई धार्मिक अनिवार्यता नहीं है, फिर भी विरोध जारी है। दरअसल यह विरोध आस्था का नहीं, ज़िद का है–अपनी आदतें न बदलने की ज़िद। शहर अब गाँव नहीं रहे। घनी आबादी, ऊँची इमारतें, सीमित हवा और साझा स्थानों के बीच एक छोटी सी लापरवाही बड़े संकट में बदल जाती है। बालकनी में डाला गया दाना सिर्फ कबूतरों को नहीं बुलाता, बल्कि उनके साथ बीमारी, गंदगी और संक्रमण की पूरी श्रृंखला भी खड़ी कर देता है। विडंबना यह है कि वही लोग जो मास्क, वैक्सीन और वैज्ञानिक चेतावनियों पर सवाल उठाते हैं, वे पुण्य के नाम पर शहरों को जैविक कचरे का अड्डा बना देते हैं। इस बहस में यह स्पष्ट कर देना ज़रूरी है कि कबूतर दोषी नहीं हैं। वे तो अपने स्वभाव के अनुसार जी रहे हैं। दोषी हम हैं–हमारी अवैज्ञानिक भावुकता, हमारी सुविधा की आस्था और हमारी सामूहिक गैर-जिम्मेदारी। अगर सच में दया करनी है तो नियंत्रित, सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीकों से कीजिए–पशु कल्याण संगठनों के माध्यम से, खुले सार्वजनिक स्थलों पर नहीं। मुंबई अदालत का यह फैसला हमें साफ़ संदेश देता है कि आस्था निजी हो सकती है, लेकिन उसका असर सार्वजनिक जीवन को बीमार नहीं कर सकता।

दया का मतलब नुकसान पहुँचाना नहीं होता और कानून अब इस फर्क को समझने लगा है। यह फैसला सिर्फ एक शहर या एक मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है कि अगर हमने समय रहते अपनी आदतें नहीं बदलीं, तो आने वाले समय में 'आस्था' भी अदालत के कटघरे में खड़ी होगी। आज ज़रूरत इस बात की है कि हम पुण्य को नए सिरे से परिभाषित करें। वह कर्म पुण्य नहीं हो सकता जो किसी बच्चे की साँस छीन ले। वह आस्था पवित्र नहीं हो सकती जो अस्पतालों की कतारें बढ़ा दे। मुंबई अदालत का यह फैसला कबूतरों के खिलाफ नहीं, बल्कि बेहिसाब भावुकता के खिलाफ है। यह याद दिलाने के लिए कि इंसान होने की पहली शर्त है–दूसरे इंसान की ज़िंदगी का ख़याल। अगर आस्था सच में सच्ची है, तो उसे विज्ञान से डर नहीं लगेगा।

मानव उत्थान सेवा समिति ने नववर्ष के उपलक्ष्य में भजन कीर्तन का आयोजन कर भंडारा लगाया

-राजधानी चौपाल-

हिसार : विश्व विख्यात आध्यात्मिक एवं सामाजिक संस्था मानव उत्थान सेवा समिति की कैमरी रोड स्थित स्थानीय इकाई के तत्वावधान में श्री हंस सेवा मंदिर में गत दिवस मानव धर्म के प्रणेता एवं आध्यात्मिक गुरु श्री सतपाल महाराज के पौत्र श्रीयांश का पावन जन्मोत्सव एवं नए साल के उपलक्ष्य पर शाखा प्रभारी महात्मा श्री गौरा बाई के दिशा निर्देशन में भजन साधना, सत्संग व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। सत्संग का शुभारंभ मंत्रमुग्ध भजनों से हुआ तत्पश्चात समिति की आत्म अनुभवी साधिका महात्मा गौरा बाई ने अपने दिव्य सत्संग प्रवचनों से उपस्थित जनसमूह को आध्यात्मिक आनंद से अभिभूत किया। अपने प्रवचन में बाई जी ने कहा कि जब तक साधक को ज्ञान नेत्र अथवा तीसरी आंख का बोध नहीं होता तब तक भगवान के परम स्वरूप का दर्शन असंभव है। उन्होंने कहा कि गीता का प्रचार-प्रसार सराहनीय है लेकिन इसका सार समझना अधिक आवश्यक है जो कि समय के सद्गुरु से ही संभव है। समिति के संस्थापक श्री सतपाल महाराज इसका क्रियात्मक बोध जिज्ञासुओं के मन मंदिर में सद्भावना सम्मेलनों के माध्यम से विश्व के हर कोने में करा रहे हैं। इस पावन अवसर महात्मा चन्द्रज्योति बाई ने कहा कि हम सभी गुरु महाराज की दया और कृपा से उस पवित्र नाम को जो भगवान कृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र में दिया था जान सकते हैं। इस नाम को जानकर भजन सुमिरन करें तभी मानव का कल्याण होगा। सत्संग उपरांत बधाई भजनों के कार्यक्रम में पूरा जनसमूह मंत्रमुग्ध होकर नाचने लगा। अंत में बाई जी व सभी भक्तों ने श्रीयांश की दीर्घायु की कामना करते हुए उनके यशस्वी एवं तेजस्वी जीवन की कामना की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया कि व कामना की कि इसी तरह के सार्वजनिक भंडारे का आयोजन भविष्य में भी होता रहे।

RNI. No. HARHIN/25/A/3341 स्वामी राजधानी चौपाल के लिए मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक राहुल कुमार सूचना प्रिंटर्स, 33 एस, मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार। सम्पादक राहुल कुमार, फोन : 9306813001, ई-मेल : virenderbarwala@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या 114, शांति पार्क के पास मंडी आदमपुर हिसार, (हरियाणा)

pdf -2_pdf page.qxd 01-Jan-26 3:03 PM Page 7

सरकार के प्रयासों व सहयोग से प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर : कुलदीप बिश्नोई

-राजधानी चौपाल-

आदमपुर, 25 दिसम्बर : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं जनप्रिय मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में देश, प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं। उसी राह पर चलते हुए आदमपुर के हमारे विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने हलके के चहुंमुखी विकास के लिए करोड़ों रूपए की राशि अलग-अलग विभागों में जारी की है। वे आज हलके के गांवों में सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत करने के दौरान लोगों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने आदमपुर गांव, काबरेल एवं जाखोद में अपनों के सुख-दुख में शिरकत की तथा शादी समारोह में पहुंचकर परिवारों को शुभकामनाएं दी।

कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि आदमपुर मंडी में सीवरेज बिछाने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, पीने के पानी की पाईप लाईने बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है, बरसाती पानी निकासी के पाईप लाईन बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है, एसटीपी का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है, बाईपास सडक़ का निर्माण पूरा हो चुका है, बस स्टैंड चौक से मॉडल टाउन तक सडक़ का निर्माण कार्य जारी है, क्रांति चौक से बस स्टैंड चौक बनने वाली सडक़ का टेंडर हो चुका है। इसी प्रकार हलके के गांवों में ज्यादातर सडक़ों का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है, गांवों में गलियों, चौपालों में कमरे निर्माण, गांवों में खेतों के कच्चे रास्तों का कार्य सहित अन्य विकास कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि भव्य बिश्नोई के लगातार प्रयासों और मुख्यमंत्री के सहयोग से आदमपुर विकास के रास्ते पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। आगे भी हलके में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

बाबा बालक नाथ की 32वीं पैदल यात्रा रवाना

-राजधानी चौपाल-

हिसार : तरसेम नगर स्थित सिद्ध बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता मंदिर से आज सुबह 32वीं पैदल यात्रा लुधियाना के लिए रवाना हुई। पैदल यात्रा मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता के नेतृत्व में शुरू हुई। यात्रा के शुभारंभ के अवसर पर मंदिर प्रांगण जय बाबे दी, जय माता दी के जयघोष से गूंज उठा।

पैदल यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला। इस पैदल यात्रा में सैंकड़ों की संख्या में पुरुष, बच्चे, बुजुर्ग व महिला श्रद्धालु शामिल थे। पैदल यात्रा से पूर्व श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता ने कहा कि हमें भगवान के नाम का सच्चे मन से सिमरन करना चाहिए, न कि किसी की निंदा या चुगली। उन्होंने कहा कि यदि हम सत्संग में बैठकर भी निंदा-चुगली करते हैं तो ऐसे सत्संग में बैठने का कोई लाभ नहीं रहता। उन्होंने श्रद्धालुओं से सच्चे मन से भगवान का सिमरन करने का आह्वान किया।

पैदल यात्रा का यह जत्था हिसार से लुधियाना तक भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ेगा। नववर्ष के अवसर पर 3 जनवरी को यह पैदल यात्रा लुधियाना की घुमार मंडी स्थित सिद्ध बाबा बालक नाथ मंदिर पहुंचेगी। लुधियाना पहुंचने पर पैदल यात्रा का भगत संजीव कुमार महाराज द्वारा बाबा बालक नाथ जी की भेंट से श्रद्धालुओं का स्वागत किया किया जाएगा।

हिसार से चला बाबा बालक नाथ का झंडा 3 जनवरी को लुधियाना मंदिर में पहुंचने पर भगत संजीव कुमार महाराज द्वारा चढ़ाया जाएगा। इसके बाद श्रद्धालुओं का जत्था भगत संजीव कुमार महाराज के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश के शाहतलाई स्थित बाबा बालक नाथ की गुफा के लिए रवाना होगा।

70-80 प्रतिशत नौकरियां बाहरी उम्मीदवारों को

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने सरकार पर साधा निशाना

-राजधानी चौपाल-

हिसार : हरियाणा में सरकारी नौकरियों में बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों का बढ़ता चयन राजनीतिक विवाद का विषय बन गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि 70-80 प्रतिशत सरकारी नौकरियां बाहरी उम्मीदवारों को दी जा रही हैं, जबकि स्थानीय युवा बेरोजगारी झेल रहे हैं। चंडीगढ़ में संवाददाताओं से बात करते हुए राव नरेंद्र सिंह ने कहा, 'क्या हरियाणा के युवा इतने अयोग्य हो गए हैं कि सरकार को अधिकांश नौकरियां बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों को देनी पड़ रही हैं? यह हरियाणा के मेहनती युवाओं के हक पर सीधा हमला है।'

सहायक अभियंता भर्ती विवाद- कांग्रेस नेता ने विशेष रूप से हरियाणा विद्युत उपयोगिता में हाल ही में हुई सहायक अभियंता की भर्ती का उदाहरण देते हुए कहा कि 214 पदों में से 185 पर बाहरी उम्मीदवारों का चयन किया गया है। उन्होंने इसे स्पष्ट प्रमाण बताया कि सरकार की नीति स्थानीय युवाओं के खिलाफ है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा, 'भाजपा सरकार की सोची-समझी नीति के तहत ट्यूटर, पटवारी, लिपिक, सहायक अभियंता, सिविल जज, एचसीएस, चिकित्सा महाविद्यालय और तकनीकी शिक्षा विभाग की भर्तियों में बड़े पैमाने पर बाहरी उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जा रही है।'

'युवाओं को गुमराह करने' का आरोप- कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने पिछले 11 वर्षों की भाजपा सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि 'न पर्ची, न खर्ची' जैसे नारों से युवाओं को गुमराह किया गया। उन्होंने मनोहर लाल खट्टर और वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दोनों सरकारों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि प्रदेश के युवाओं–विशेषकर सामान्य वर्ग–को 'बेरोजगारी, पलायन और हताशा ही मिली है।' उन्होंने कहा, 'आज हालात ऐसे हैं कि प्रदेश के मेधावी युवा विदेश जाकर मजदूरी करने को मजबूर हैं, जबकि प्रदेश की नौकरियां बाहरी लोगों को दी जा रही हैं।'

उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को 'हरियाणा के युवाओं का गुनहगार' बताते हुए कहा कि उन्हें इस 'भर्ती घोटाले' पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उनकी चुप्पी कई सवाल खड़े करती है।

प्राचीन राखीगढ़ी महोत्सव में सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रदर्शन

-राजधानी चौपाल-

हिसार : ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी में चल रहे वार्षिक राखीगढ़ी महोत्सव ने इतिहास और संस्कृति प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित 'राखीगढ़ी महोत्सव-2025' के दूसरे दिन भी दर्शकों का भारी उत्साह देखने को मिला। महोत्सव में लगाई गई विशेष स्टालों के माध्यम से 5,000 साल पुरानी सिंधु-सरस्वती सभ्यता और हरियाणा की ग्रामीण विरासत का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया जा रहा है, जो क्षेत्र की समृद्ध विरासत को दर्शाती हैं। महोत्सव का उद्देश्य न केवल राखीगढ़ी के पुरातात्विक महत्व को उजागर करना है, बल्कि स्थानीय कारीगरों और समुदायों द्वारा संरक्षित पारंपरिक कलाओं और सामग्रियों को भी बढ़ावा देना है। महोत्सव में आगंतुक जटिल हाथ की कढ़ाई वाले वस्त्र, ओढ़नी (दुपट्टे) और पारंपरिक हरियाणवी पोशाकें देख सकते हैं। ये स्टाल दर्शाते हैं कि कैसे स्थानीय बुनाई और रंगाई की तकनीकें पीढ़ियों से चली आ रही हैं। स्थानीय स्वयं सहायता समूहों द्वारा हस्तनिर्मित वस्त्र प्रदर्शित किए जा रही हैं। मिट्टी और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों से बने पारंपरिक आभूषणों ने महिलाओं और कला प्रेमियों को समान रूप से आकर्षित किया है। इन आभूषणों की डिजाइन सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली शैलियों की याद दिलाती हैं। कई स्टालों पर स्थानीय कुंभकारों द्वारा बनाए गए मिट्टी के बर्तन और टेराकोटा की मूर्तियाँ प्रदर्शित हैं। ये सामग्रियाँ दैनिक जीवन में पारंपरिक तरीकों के उपयोग को दर्शाती हैं। कुछ अनूठे स्टालों पर लकड़ी और धातु से बने पुराने कृषि उपकरण, साथ ही पीतल और तांबे के घरेलू उपयोग के बर्तन प्रदर्शित किए गए हैं, जो आगंतुकों को ग्रामीण हरियाणा की सरल जीवन शैली की झलक प्रदान करते हैं। उपायुक्त महेंद्र पाल ने कहा कि ये स्टाल हमारी विरासत के संरक्षक हैं। वे न केवल स्थानीय कारीगरों को एक मंच प्रदान करते हैं बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर भी देते हैं। एसडीएम विकास यादव ने बताया कि आगंतुक इन स्टालों पर प्रदर्शित की जा रही अद्वितीय सामग्रियों को उत्सुकता से देख रहे हैं और कई लोग इन पारंपरिक वस्तुओं को स्मृति चिन्ह के रूप में खरीद भी रहे हैं। राखीगढ़ी म्यूजियम में लगाई गई प्रदर्शनी में खुदाई के दौरान प्राप्त मृदभांड (मिट्टी के बर्तन), टेराकोटा के खिलौने और अन्य वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। महोत्सव में पारंपरिक खेलों (कबड्डी, कुश्ती) और लोक नृत्यों के साथ-साथ पारंपरिक ग्रामीण खान-पान की भी व्यवस्था की गई है, जो हड़प्पाकालीन कृषि आधारित जीवन और आधुनिक संस्कृति के बीच निरंतरता को दर्शाता है। महोत्सव रविवार तक जारी रहेगा।

देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करेगी कांग्रेस, मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने किया एलान

राहुल गांधी का बड़ा आरोप : राज्यों के अधिकारों को कमजोर करने और एमजीएनआरईजीए को खत्म कर रही सरकार

-राजधानी चौपाल-

नई दिल्ली : कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए उस पर राज्यों के अधिकारों को कमजोर करने और एमजीएनआरईजीए को खत्म करने का आरोप लगाया। गांधी ने तर्क दिया कि सरकार के ये नवीनतम निर्णय राज्य की स्वायत्तता, अवसंरचना विकास और हाशिए पर पड़े समुदायों के अधिकारों पर सीधा हमला हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि यह भारत के राज्यों पर हमला है क्योंकि वे सीधे-सीधे राज्य के धन और राज्य की निर्णय लेने की शक्ति को छीन रहे हैं। यह उन राज्यों के बुनियादी ढांचे पर हमला है क्योंकि एमएनआरईजीए बुनियादी ढांचे के निर्माण में सहायक था। उन्होंने दावा किया कि एमएनआरईजीए सिर्फ एक कार्य योजना नहीं है। यह एक वैचारिक ढांचा है, एक विकास ढांचा है, जिसकी विश्व भर में सराहना हुई है। खरगे जी ने उल्लेख किया कि उन्होंने 16 देशों का दौरा किया और हर देश ने इस बात की सराहना की कि हमारी सरकार ने विकास अधिकारों पर आधारित एक बिल्कुल नई अवधारणा पेश की थी। प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल से बिना पूछे, बिना मामले का अध्ययन किए, इसे अकेले ही नष्ट कर दिया है।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह भारत के राज्यों पर हमला है क्योंकि वे राज्यों से उनका पैसा और निर्णय लेने की शक्ति छीन रहे हैं। यह उन राज्यों के बुनियादी ढांचे पर हमला है क्योंकि एमएनआरईजीए के तहत बुनियादी ढांचे का निर्माण होता था... इसलिए यह राज्यों पर, इस देश के गरीब लोगों पर एक विनाशकारी हमला है, और इसे प्रधानमंत्री ने अकेले ही अंजाम दिया है, ठीक वैसे ही जैसे नोटबंदी के समय हुआ था। इससे सबसे कमजोर वर्गों, आदिवासियों, दलितों, ओबीसी, गरीब सामान्य जाति और अल्पसंख्यकों को भारी पीड़ा होगी और श्री अडानी को इसका पूरा लाभ मिलेगा। इसका उद्देश्य यही है-गरीब लोगों से पैसा छीनकर अडानी जैसे लोगों को देना।

कांग्रेस द्वारा 5 जनवरी 2026 से 'एमजीएनरेगा बचाओ आंदोलन' शुरू करने के प्रस्ताव पर लोकसभा के विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि जैसा कि खरगे जी ने कहा है, हम इसका विरोध करेंगे। हम इसके खिलाफ लड़ेंगे। और मुझे विश्वास है कि पूरा विपक्ष इस कदम के खिलाफ एकजुट होगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बैठक में हमने शपथ ली। हमने एमएनआरईजीए योजना को केंद्र में रखते हुए देशव्यापी व्यापक आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी अग्रणी भूमिका निभाते हुए 5 जनवरी से एमएनआरईजीए बचाओ अभियान शुरू करेगी। हम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमएनआरईजीए) की हर कीमत पर रक्षा करेंगे। एमएनआरईजीए सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त काम का अधिकार है... हम गांधीजी का नाम एमएनआरईजीए से हटाने की हर साजिश का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने का भी संकल्प लेते हैं।

मोदी को गांधी सरनेम से दिक्कत : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि मोदी को गांधी सरनेम से दिक्कत है, इसलिए मनरेगा का नाम बदला गया। ये कानून कानून गरीबों को कुचलने और उन्हें दबाने के लिए है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मनरेगा सिर्फ योजना नहीं थी, यह अधिकारों का सिद्धांत था। यानी इससे देश के करोड़ों लोगों को मिनिमम वेज (न्यूनतम आय) मिलती थी। उन्होंने कहा कि मनरेगा बंद करना डायरेक्ट राइट बेस्ड के कॉन्सेप्ट पर आक्रमण है। ये जो पैसा लिया जा रहा है, वो राज्यों से छीनकर केंद्र सरकार ले रहा है। ये पावर और फाइनेंस का कांट्रैक्शन है। ये फैसला सीधे पीएम हाउस से लिया गया है।

इटली से भारत तक प्रेरणा की उड़ान- रवि शेखर का इंद्रा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट में प्रेरणादायक संबोधन

-राजधानी चौपाल-

हिसार : सेवार्थ भाव से बेटियों को शिक्षित करने एवं स्वावलंबी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इंद्रा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित सेमिनार में बेटियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हिसार के बस स्टैंड के पास ऋषि नगर में स्थापित ट्रस्ट के सभागार में आयोजित इस सेमिनार में इटली से भारत पधारे टेरा-एक्स के संस्थापक एवं मैनेजिंग डायरेक्टर रवि शेखर व ट्रस्ट के संस्थापक एवं निदेशक रजत गुप्ता ने करियर के विविध आयामों पर विस्तृत चर्चा की। रजत गुप्ता ने रवि शेखर का स्वागत करते हुए उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। रजत गुप्ता ने बताया कि 17 वर्षों से अधिक के वैश्विक अनुभव, इटली से एमबीए और 30 से अधिक देशों में फैले अपने कार्य के माध्यम से रवि शेखर आज फैशन-टेक और सस्टेनेबल इनोवेशन की दुनिया में प्रेरणास्रोत हैं। सेमिनार के दौरान रवि शेखर ने बेटियों को करियर निर्माण, नवाचार व आत्मनिर्भरता का सशक्त संदेश दिया। उन्होंने युवाओं को यह समझाया कि किस प्रकार डेली रुटीन की मैपिंग, स्पष्ट लक्ष्य और निरंतर सीखने की आदत असाधारण सफलता की नींव बनती है। सेमिनार के दौरान रवि शेखर ने इंद्रा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के कार्यों की विशेष सराहना करते हुए कहा कि यह ट्रस्ट केवल प्रशिक्षण नहीं दे रहा बल्कि महिलाओं और बेटियों को आत्मनिर्भर बनाकर उनका भविष्य गढ़ रहा है। उन्होंने ट्रस्ट के संस्थापक एवं निदेशक रजत गुप्ता के विजन को रेखांकित करते हुए कहा कि रजत गुप्ता महिलाओं और बेटियों के लिए केवल छोटे प्रयास नहीं बल्कि बड़े और स्थायी बदलाव की दिशा में काम कर रहे हैं। उनका स्पष्ट उद्देश्य है कि देश की बेटियां बहुत जल्दी आत्मनिर्भर बनें, अपने पैरों पर खड़ी हों और स्वयं रोजगार व उद्यमिता की ओर बढ़ें। उन्होंने कहा कि जिस तेजी और संकल्प के साथ इंद्रा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट काम कर रहा है, वह दिखाता है कि महिलाओं की आत्मनिर्भरता भविष्य की योजना नहीं बल्कि वर्तमान की आवश्यकता माना जा रहा है। इस अवसर पर रजत गुप्ता ने स्वर्गीय ओ.पी. जिंदल के प्रेरक विचार साझा करते हुए कहा कि अगर बेटा पढ़ता है तो एक घर संवरता है लेकिन अगर बेटी पढ़ती है तो दो घर संवरते हैं। इसी सोच से प्रेरित होकर वे पिछले लगभग 10 वर्षों से समाजसेवा के इस मार्ग पर निरंतर अग्रसर हैं। आज इंद्रा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट अपने 7 प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से अब तक 12 हजार बेटियों और महिलाओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बना चुका है। यह कार्य केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में वास्तविक बदलाव लेकर आया है। ट्रस्ट का संकल्प है कि हर घर उद्यमी मिशन के अंतर्गत 2030 तक 25 हजार बेटियों को निःशुल्क स्किल ट्रेनिंग देकर उन्हें रोजगार और उद्यमिता के योग्य बनाया जाएगा ताकि महिलाएं केवल नौकरी खोजने वाली नहीं बल्कि नौकरी देने वाली बनें। सेमिनार के अंत में यह भी साझा किया गया कि भविष्य में रवि शेखर और इंद्रा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट मिलकर महिलाओं, स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में कुछ बड़ा और प्रभावशाली करने की दिशा में साथ काम करेंगे।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हिसार कांग्रेस भवन में ध्वजारोहण

-राजधानी चौपाल-

हिसार : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर ज़िला कांग्रेस कमेटी, हिसार द्वारा ज़िला कांग्रेस भवन में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ज़िला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष श्री बृजलाल बहबलपुरिया ने कांग्रेस ध्वज फहराया।

ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए ज़िला अध्यक्ष ग्रामीण श्री बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि आज हम उस पार्टी का स्थापना दिवस मना रहे हैं जिसने 140 वर्षों से अधिक समय तक इस देश के लिए संघर्ष किया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि भारत के लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय की आत्मा रही है। आज़ादी की लड़ाई से लेकर संविधान निर्माण तक कांग्रेस ने हर निर्णायक मोड़ पर देश को दिशा देने का कार्य किया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जेलें काटीं, लाठियाँ खाईं और अपने प्राणों की आहुति दी, ताकि भारत एक स्वतंत्र और मजबूत राष्ट्र बन सके।

उन्होंने कहा कि आज स्थापना दिवस के इस अवसर पर जब कांग्रेस का ध्वज फहराया जा रहा है, उसी समय देश के सामने एक खतरनाक सच्चाई भी खड़ी है, जिस पर चुप रहना अपराध होगा। भाजपा सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नाम से महात्मा गांधी का नाम हटाने की चाल चली है। यह केवल नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि गांधी जी की सोच, उनके आदर्शों और उनकी आत्मा पर सीधा हमला है।

कार्यक्रम के अंत में श्री बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि कांग्रेस ने मनरेगा जैसा कानून बनाकर गरीब को कानूनी अधिकार दिया, जबकि भाजपा उसे सरकारी मेहरबानी बनाना चाहती है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे महात्मा गांधी के नाम, संविधान और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करने का संकल्प लें। भाजपा चाहे जितनी भी चालें चले, गांधी का सत्य और कांग्रेस की विचारधारा इस देश से मिटाई नहीं जा सकती।

कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। जिसमें मुख्य रूप से पूर्व मंत्री सुभाष गोयल, एआईसीसी सदस्य राजेश कुमार संदलाना, पूर्व टैक्स ट्रिब्यूनल सदस्य हरपाल सिंह बुरा, पीसीसी सदस्य भूपेन्द्र सिंह गंगवा, पीसीसी सदस्य दिलबाग सिंह ढांडा, वरिष्ठ नेता अनूप सिंह सरसाना, वरिष्ठ नेता वज़ीर सिंह पुनिया, युवा नेता एडवोकेट धर्मेन्द्र घनघस, युवा नेता आनंद जाखड़, महिला प्रदेश उपाध्यक्ष कमल सहरावत, प्रदेश सचिव एस.सी. सुखबीर नागर, प्रदेश सचिव एस.सी. अनुपाल भुक्कल, पूर्व चेयरमेन सुखबीर डूडी, महिला ज़िला अध्यक्ष ग्रामीण संतोष जून, रणधीर बामल केकेसी प्रदेश उपाध्यक्ष गीता आहूजा, वरिष्ठ महिला नेत्री कृष्णा दुग्गल, पूर्व पार्षद बीरमती सारोहा, महिला नेत्री नवीन किरमारा, महिला नेत्री रेणु चहल, RGPS प्रदेश सचिव कमलेश रॉय, महिला नेत्री सरोज श्योराण महिला नेत्री मीरा लोट, डॉ राजवीर सिंह मोर, रिटायर्ड एम्पलाइज सैल प्रदेश उपाध्यक्ष रणधीर बामल, अमित सिवाच, दलज़ीत पंघाल ,वरिष्ठ नेता अमर गुप्ता, इंटक प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण नैन, ओबीसी उपाध्यक्ष सुभाष वर्मा, दिनेश ढिल्लो बुडाकिया, हरफूल खान भट्टी, युवा नेता सुरेश पंघाल, सतीश भाटिया, श्याम लाल सरवटे, कपिल श्योराण, कैलाश जांगड़ा, रामफल शिले, टेक चंद बटेसर बागड़ी, मास्टर देशराज, राजकुमार खीचड़ आदमपुर, सत्यवान नंबरदार खोखा, रमेश चाहर, घनश्याम वर्मा, प्रेम प्रकाश बालसमंद, उपेन्द सिंह डाटा, राधा, साधु राम नोखवाल, उदय वीर खोखा, सर्वमित्र, राजेश सिहाग, सुरेश वाल्मीकि, छागा राम वाल्मीकि, परमजीत माघलिया, राजेंद्र खान, राजेश घोडेला, संदीप पातड़, प्रवीण भुक्कल, पवन नैन, परवीन पाबड़ा, राजवीर शर्मा, सुथार दिन मिर्जा, चंद्र शेखर, कार्यालय सचिव अनिल बिश्नोई इत्यादि सैकड़ों साथियों उपस्थित रहे।

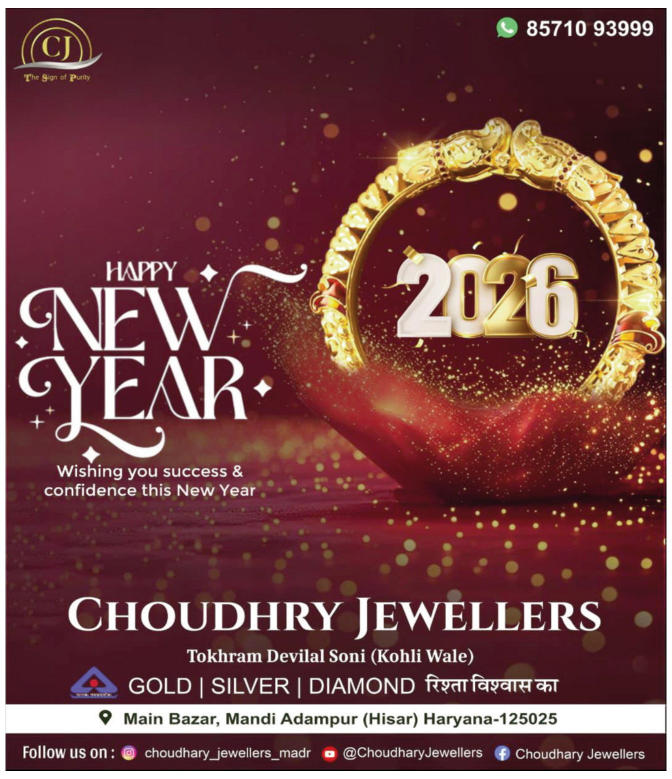

राहुल नरवाल बने नवगठित हांसी जिले के उपायुक्त

-राजधानी चौपाल-

हिसार : हरियाणा सरकार ने तत्काल प्रभाव से आईएएस अधिकारी श्री राहुल नरवाल को रिक्त पद के समक्ष नवगठित हांसी जिले का उपायुक्त लगाया है। श्री राहुल नरवाल वर्तमान में ग्रामीण विकास विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग के निदेशक तथा विशेष सचिव और कॉनफेड के प्रबंध निदेशक के पद पर कार्यरत थे।

यहां आपको बता दें कि 16 दिसंबर को मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हांसी को जिला बनाने कि घोषणा की थी। इसके बाद डीसी की नियुक्ति से करीब 9 दिन पहले यानी 22 दिसंबर को हांसी के जिला बनने का नोटिफिकेशन जारी किया गया था।

लाडो लक्ष्मी, अटल लाइब्रेरी और आवास–विकास की मजबूत बुनियाद : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

-राजधानी चौपाल-

खरखौदा : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने खरखौदा में आयोजित भव्य विकास रैली में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को लेकर कई अहम घोषणाएं कीं। रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की यह विशाल जनसभा इस बात का प्रमाण है कि हरियाणा विकास, पारदर्शिता और सुशासन के रास्ते पर मजबूती से खड़ा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस क्षेत्र के विकास में सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी और जनहित के कार्य लगातार जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, गरीब कल्याण और बुनियादी ढांचे को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में अब तक 250 स्थानों पर अटल लाइब्रेरी खोली जा चुकी हैं, जिससे युवाओं और विद्यार्थियों को पढ़ाई के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं के खातों में 2100 रुपये प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही प्रदेश की 15 लाख से अधिक महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर की सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनीपत जिले में 2 लाख 56 हजार बीपीएल कार्ड बनाए गए हैं, जिससे गरीब परिवारों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले में 7 हजार 366 मकान बनाकर जरूरतमंदों को दिए गए हैं।

खरखौदा के स्थानीय विकास को लेकर मुख्यमंत्री ने कई बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने थाना चौक और दिल्ली चौक के सौंदर्यीकरण, एक मुख्य पार्क के निर्माण के लिए 8 करोड़ रुपये, स्टेडियम के रिनोवेशन के लिए 3.5 करोड़ रुपये तथा कूड़े के निपटान के लिए प्लांट लगाने हेतु 8 करोड़ 37 लाख रुपये जारी करने की घोषणा की। इसके अलावा शहर में एक लाइब्रेरी बनाई जाएगी और पीने के पानी की आपूर्ति की मांग को 31 दिसंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा, जिस पर 26 करोड़ 46 लाख रुपये खर्च होंगे।

मुख्यमंत्री ने भूमि उपलब्ध होने पर खरखौदा में रेस्ट हाउस निर्माण तथा पीडब्ल्यूडी विभाग की 9 सड़कों के निर्माण के लिए 28 करोड़ 30 लाख रुपये की मंजूरी देने की भी घोषणा की। इसके अतिरिक्त, खरखौदा के समग्र विकास के लिए 5 करोड़ रुपये अलग से देने का ऐलान किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है और खरखौदा को आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।